Hindi Question Bank (Class-10th)
Year(2016-2024)

निबंध , 2016 series A

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए

(क) देवभूमि हिमाचल प्रदेश : (भूमिका, राज्य की स्थापना, अनेक देव स्थान, राजधानी, उन्नति के पथ पर, प्रसिद्ध मेले, फलों के बाग-वन, उपसंहार) ।

(ख) होली का त्योहार : (भूमिका, वसंत का आगमन, ऐतिहासिकता, प्रकृति का उल्लास, भेदभावों की समाप्ति, उपसंहार) ।

(ग) दैवी प्रकोप-भूकंप : (भूमिका, भूकंप के कारण, वैज्ञानिक आधार, विनाश, पुनर्निर्माण, उपसंहार) ।

(घ) शिक्षा में खेलों का महत्त्व : (भूमिका, खेलों के प्रकार, कार्यक्षमता में वृद्धि, सहयोग की भावना,साहस व आत्मविश्वास, उपसंहार)।

(ङ) वनमहोत्सव : (भूमिका, प्रकृति की पूजा, मानव का जीवन, धरती का सौन्दर्य, हवा की शुद्धि, वनक्षरण, उपसंहार)।

2016 series B

खण्ड-ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए :

(क) विद्यार्थी और अनुशासन : (भूमिका, अनुशासन का अर्थ, शिक्षा, प्रकार, आवश्यकता, उपसंहार)।

(ख) दशहरा : (भूमिका, मनाने का कारण, शस्त्र पूजन, झांकियाँ, रामलीलाएँ, बुराई पर अच्छाई को विजय, उपसंहार) ।

(ग) प्रदूषण की समस्या : (भूमिका, प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण से हानियाँ, रोकने के उपाय, उपसंहार)।

(घ) मेरे जीवन का उद्देश्य : (भूमिका, विभिन्न लक्ष्य, अध्यापक के कार्य, उपसंहार) ।

(ङ) नैतिक शिक्षा का महत्त्व : (भूमिका, नैतिक शिक्षा की आवश्यकता, नैतिक शिक्षा के अभा के दुष्परिणाम, लाभ, उपसंहार) ।

निबंध 2016 series C

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए :

(क) मेरे सपनों का भारत : (भूमिका, भौगोलिक स्थिति, औद्योगिक विकास, दर्शनीय स्थल, महापुरुषों की धरती, उपसंहार) ।

ख) परिश्रम सफलता की कुंजी है : (भूमिका, परिश्रम का अभाव, आलस्य, परिश्रम, भाग्यवाद, उपसंहार)।

(ग) दीपावली : (भूमिका, मनाने का कारण, राम का अयोध्या आना, महापुरुषों का निर्वाण दिवस, लक्ष्मी पूजन, उपसंहार) ।

(घ) देश के नवनिर्माण में युवा वर्ग का योगदान : (भूमिका, समस्या, युवावर्ग के कर्त्तव्य, क्या करें, उपसंहार)।

(ङ) भ्रष्टाचार - कारण और निवारण : (भूमिका, भ्रष्टाचार का बोलबाला, प्रगति और लूट, पतन, क्रान्ति, उपसंहार) ।

2017 निबंध,पत्र series A

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए-

(क) हिमाचल के पर्यटन स्थल :(भूमिका, रेणुका झील, रावी तट का कमल, चामुंडा देवी का मन्दिर, छः महीने बर्फ, कांगड़ा घाटी का सौन्दर्य, चित्रकला, व्यास का आकर्षण, शिमला, उपसंहार)

(ख) स्वदेश प्रेम :(भूमिका, स्वदेश प्रेम, स्वदेश का आकर्षण, स्वदेश की उन्नति, देश भक्त, राष्ट्रीयता,उपसंहार)

(ग) वसंत ऋतु :(भूमिका, ऋतुओं की विविधता, वसंत की विशेषता, वसंत का स्वागत, उत्सव, ऐतिहासिकता, उपसंहार)

(घ) भारत की जनसंख्या समस्या और समाधान: (भूमिका, प्राचीन स्थिति, आज की दशा, बढ़ती जनसंख्या का बोझ, रोजगार में कमी, परिवार नियोजन, उपसंहार)

(ङ) राष्ट्रीय एकता: (भूमिका, भारतीय संस्कृति और सभ्यता, अनेकता में एकता, उपसंहार)

2017 निबंध,पत्र series B

3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए।

(क) श्रम का महत्व :- (भूमिका, परिश्रम का अभाव, आलस्य, परिश्रम, भाग्यवाद, उपसंहार) (ख) प्रदूषण की समस्या :- (भूमिका, प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण से हानियाँ, रोकने के उपाय, उपसंहार)

(ग) प्रातःकाल का भ्रमण :- (भूमिका, प्रकृति का सर्वश्रेष्ठ समय, लाभ, हानियाँ, आवश्यकता, उपसंहार)

(घ) दशहरा :- (भूमिका, मनाने का कारण, शस्त्रपूजन, झांकियां, रामलीलाएं, बुराई पर अच्छाई की विजय, उपसंहार)

(ङ) परीक्षाओं में बढ़ती नकल की प्रवृत्ति :- (भूमिका, परीक्षा क्या है, परीक्षा का वर्तमान स्वरूप, नकल क्यों, सुझाव, उपसंहार)

2017 series C

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए-

(क) दहेज प्रथा-एक भयानक कलंक :- (भूमिका, आरंभ, सात्विक रूप, विकृत रूप, कारण एवं समाधान,उपसंहार)

(ख) हिमाचल के मेले और त्योहार : (भूमिका, मिंजर मेला, रेणुका मेला, रथ-रथणी मेला, लवी का मेला, सिरमौर के त्योहार, अन्य त्योहार, उपसंहार)
(ग) आदर्श विद्यार्थी :- (भूमिका, महत्वपूर्ण अवस्था, तपस्या का जीवन, ब्रह्मचर्य, उच्च आदर्श, उपसंहार।
(घ) समय का सदुपयोग :- (भूमिका, सीमित समय, अमूल्य धन, सुखों की प्राप्ति, आलस्य का त्याग, उपसंहार)
(ङ) कंप्यूटर-आज की आवश्यकता :- (भूमिका, कंप्यूटर का आविष्कार, कंप्यूटर के लाभ, कंप्यूटर का प्रयोग, उपसंहार।

महत्वपूर्ण निबंध (2018) (7 marks)
1. मेरे सपनों का भारत 2. जीवन में परिश्रम का महत्व 3. जैसी संगति बैठिए तेसोई फल होत
4. हिमाचल के पर्यटन स्थल 5. प्रदूषण की समस्या 6. स्वदेश प्रेम 7. कंप्यूटर -आज की आवश्यकता 8. दहेज प्रथा
9. हिमचल के मेले व त्योहार 10. समय का सदुपयोग 11. परीक्षाओ में बढ़ती नकल की प्रवृत्ति 12. मेरा हिमचाल 13. विज्ञान वरदान है या अभिशाप
14. विद्यालय का वार्षिकोत्सव।

निबंध (2019)
1. विद्यार्थी और अनुशासन 2.जीवन में परिश्रम का महत्व 3. प्रातः काल का भ्रमण 4.शिक्षा में खेलकूद का महत्व
5. होली का त्योहार 6. स्वदेश प्रेम 7. मेरे सपनों का भारत 8. हिमाचल की वन संपदा और उसकी सुरक्षा
9. बसंत ऋतु।

निबंध (2020)
1. प्रदूषण की समस्या 2. हिमाचल प्रदेश 3. नैतिक शिक्षा का महत्व 4. स्वास्थ्य के लिए व्यायाम 5. मेरा भारत महान 6. बढ़ती जनसंख्या
7. समाचार पत्रों का महत्व 8. विद्यार्थी जीवन 9. आधुनिक शिक्षा प्रणाली 10. दीपावली 11. समय का सदुपयोग 12. बाल श्रमिक की समस्याएं।

निबंध (2021)
1. दीपावली 2. श्रम का महत्व 3. कंप्यूटर आज की आवश्यकता 4. प्रदूषण की समस्या 5. शिक्षा में खेलकूद का महत्व 6. समय का सदुपयोग
7. प्रातः काल का भ्रमण 8. होली का त्योहार 9. मेरा हिमाचल 10. मेरे जीवन का लक्ष्य 11. दशहरा 12. विज्ञान वरदान या अभिशाप 13. कोरोना महामारी
14. हिमाचल के त्यौहार।

निबंध (2022)
1. पर्यावरण प्रदूषण 2. दशहरा 3. विद्यार्थी जीवन 4. विज्ञान के चमत्कार 5. मेरा हिमाचल 6. बढ़ती हुई महंगाई 7. विद्यार्थी और अनुशासन 8. दीपावली
9. कंप्यूटर का महत्व 10. वृक्षारोपण 11. प्रातः काल का भ्रमण 12. हिमाचल के मेले व त्योहार।

निबंध (2023)
1.दीपावली 2. प्रदूषण की समस्या 3. विज्ञान के चमत्कार 4. दशहरा 5. हिमाचल प्रदेश 6. कंप्यूटर आज की आवश्यकता 7. विद्यार्थी जीवन
8. हिमाचल प्रदेश 9.होली 10. राष्ट्रीय एकता।

निबंध 2023-24 Series (A) अंक (8)
निम्नलिखित दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखियेः 8
(क) आधुनिक शिक्षा प्रणाली: भूमिका, आरंभिक रूप. वर्तमान स्थिति, उपसंहार।
(ख) बाल श्रमिक की समस्याएँ: अभिप्रायः, स्थिति, प्रभाव, निदान व उपसंहार।
(ग) दीपावली: पर्व का आयोजन, पौराणिक महत्व. मनाने का तरीका, संदेश।
(घ) समय का सदुपयोगः अभिप्राय, समय का सदुपयोग, सफलता का आधार, उपसंहार।
(ङ) प्रात:कालीन भ्रमणः भूमिका, सर्वश्रेष्ठ समय, आवश्यकता, लाभ, हानियाँ, उपसंहार।

निबंध 2023-24 Series (B)
10. निम्नलिखित दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखियेः
(क) प्रदूषण की समस्याः भूमिका, प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण से हानियाँ, रोकने के उपाय, उपसंहार।
(ख) स्वाम्थ्य के लिए व्यायामः भूमिका, स्वस्थ शरीर क्यों, अस्वस्थं होने से हानियाँ, स्वस्थ रहने के लिए व्याया, शारीरिक और मानसिक व्यायाम, उपसंहार।
(ग) हिमाचल प्रदेश: भूमिका, राज्य की स्थापना, अनेक देव स्थान, राजधानी, उन्नति के पथ पर, प्रसिद्ध मेले, फलों के बाग-वन, उपसंहार।
(घ) **नैतिक शिक्षा का महत्व:** भूमिका, नैतिक शिक्षा की आवश्यकता क्यों?, नैतिक शिक्षा के अभाव के दुष्परिणाम, लाभ, उपसंहार।
(ङ) मोबाइल वरदान या अभिशापः भूमिका, मोबाइल का प्रयोग, दोष, उपसंहार।

निबंध 2023-24 Series (C)
10. निम्नलिखित दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखियेः
(क) मेरा भारत महानः भूमिका, भौगोलिक स्थिति, औद्योगिक विकास, विभिन्न परियोजनाएँ, दर्शनीय स्थल, महापुरुषों की धरती, उपसंहार।
(ख) बढ़ती जनसंख्याः गंभीर समस्याः भूमिका, कारण, नुकसान, नियंत्रण के उपाय।
(ग) विद्यार्थी जीवनः भूमिका, गुण, कर्त्तव्य, उपसंहार।
(घ) समाचार पत्रों का महत्वः भूमिका, समाचार पत्रों का आरंभ, प्रकार, सामग्री, उपयोगिता, उपसंहार।
(ङ) मेरा प्रिय नेताः भूमिका, जन्म तथा शिक्षा, समाज के लिए कार्य, उपसंहार।

प्रार्थना पत्र 2016 A

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को उचित कारण बताते हुए आर्थिक दण्ड (जुर्माना) क्षमा करने हेतु प्रर्थाना-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने छोटे भाई को खर्चीले फैशन की होड़ छोड़कर, परिश्रम करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

2016 B

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक जी को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को बोर्ड की परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखिए।

2016 C

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक जी को शिक्षा-शुल्क क्षमा करवाने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

छात्रावासीय जीवन पर टिप्पणी करते हुए अपने बड़े भाई के नाम एक पत्र लिखिए।

2017 A

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को विद्यालय त्याग का प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

अपने बड़े भाई को एक घड़ी खरीदने के लिए रुपये भेजने का निवेदन करते हुए पत्र लिखिए।

2017 B

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को अपना विभाग (सैक्शन) बदलवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

अपने छोटे भाई के जन्म दिवस पर आमंत्रित करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

2017 series C

4 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक जी को सदाचार (चरित्र) प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लि पत्र लिखिए।

अथवा

अपने बड़े भाई की शादी के उपलक्ष्य में मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

प्रार्थना पत्र (2018) (4 अंक)

1.अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को सदाचार (चरित्र) प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

2.अपने मित्र को बोर्ड की परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र लिखिए।

3.बस द्वारा यात्रा करने पर आपको कुछ सुविधाओं का सामना करना पड़ा , उन्हें दूर करने के लिए बस प्रबंधन को एक पत्र लिखिए।

4.अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय न आने पर उचित कारण बताते हुए आर्थिक दंड क्षमा (जुर्माना माफी) करने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

5. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

6. अपने बड़े भाई को घड़ी खरीदने के लिए रुपए भेजने का निवेदन करते हुए एक पत्र लिखिए।

प्रार्थना पत्र (2019)

1.अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को फीस माफ करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

2.बड़ी बहन की ओर से अपने छोटे भाई को खर्चीले फैशन की होड़ छोड़कर परिश्रम करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

3. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र लिखिए ।

4. रक्षाबंधन के पुनीत अवसर पर अपने छोटे भाई को आशीर्वाद देते हुए पत्र लिखिए।

5. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

6. पुलिस अधीक्षक को अपने क्षेत्र में पढ़ती हुई चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए चित्र बंद करने के लिए पत्र

लिखिए।

प्रार्थना पत्र (2020)

1. प्रधानाचार्य को आर्थिक दंड क्षमा करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
2. अपने मित्र को छुट्टियों में किसी पर्यटन स्थल का भ्रमण करने के लिए पत्र लिखिए।
3 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र लेने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए ।
4. अपने छोटे भाई को समय का सदुपयोग करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।
5. चरित्र प्रमाण पत्र लेने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।6. परीक्षा में अच्छे अंक पाने पर मित्र को बधाई पत्र लिखिए।

प्रार्थना पत्र (2021)

1. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र लिखिए।
2. अपने मित्र को छुट्टियों में अपने पास बुलाकर पर्यटन स्थल के भ्रमण पर चलने के लिए पत्र लिखिए।
3. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
4. रक्षाबंधन के अवसर पर अपने छोटे भाई को आशीर्वाद देते हुए पत्र लिखिए।
5. विद्यालय के प्रधानाचार्य को शिक्षा शुल्क क्षमा करने हेतु प्रार्थना पत्र लिखें ।
6. आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में प्रथम आया है, उसे बधाई संबंधी पत्र लिखिए।

(2022)

1. विद्यालय के प्रधानाचार्य को चरित्र प्रमाण प्राप्त करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
2. आपके गांव के कच्चे रास्ते को मनरेगा के तहत पक्का करवाने के लिए अपने पंचायत प्रधान को प्रार्थना पत्र लिखिए।
3. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
4. डाकिए की लापरवाही हेतु स्थानीय पोस्ट मास्टर को शिकायती पत्र लिखें।
5. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को अपनी आर्थिक कठिनाइयों से अवगत करवाते हुए छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।
6. अपने मित्र को अपने जन्मदिन पर निमंत्रण पत्र लिखें।

प्रार्थना पत्र (2023)

1 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।
2.आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में प्रथम रहा उसे बधाई पत्र लिखिए ।
3.अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए ।
4 अपने जन्मदिन पर प्राप्त भेंट के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए।
5. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शिक्षा शुल्क क्षमा करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए ।
6. अपने बड़े भाई की शादी के उपलक्ष में मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए।

प्रार्थना पत्र 2023-24 Series (A) अंक (7)

चरित्र प्रमाण पत्र लेने के लिए प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को पत्र लिखिये।

अथवा

परीक्षा में अच्छे अंक पाने पर मित्र को बधाई पत्र लिखिये।

प्रार्थना पत्र 2023-24 Series (B) अंक (7)

प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को आर्थिक दण्ड क्षमा करने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिये।

अथवा

अपने मित्र को छुट्टियों में किसी पर्यटन स्थल का भ्रमण करने के लिए पत्र लिखिए।

प्रार्थना पत्र 2023-24 Series (C) अंक (7)

11. प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को स्कूल में स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने हेतू प्रार्थना-पत्र लिखिये।

अथवा

मामा द्वारा आपके जन्मदिवस पर भेजे उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिये।

सूचना लेखन (2019)

1.आपके विद्यालय में "वार्षिक पारितोषिक वितरण" समारोह मनाया जा रहा है । इस विषय के बारे में एक सूचना

अपने शब्दों में तैयार करें।

2. आपके विद्यालय में "हिंदी दिवस" मनाया जा रहा है इस विषय के बारे में एक सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

3. आपके विद्यालय में इस माह नि:शुल्क रक्त जांच शिविर लगने जा रहा है ।इसके बारे में सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

सूचना लेखन (2020)

1.आपके विद्यालय में' विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जा रहा है इस विषय के बारे में सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

2. आपके विद्यालय में बाल दिवस मनाया जा रहा है ।इस विषय के बारे में एक सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

3. आपके विद्यालय में विश्व एड्स दिवस मनाया जा रहा है। इस विषय के बारे में सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

सूचना लेखन (2021)

1. आपके विद्यालय में "हिंदी दिवस" मनाया जा रहा है इस विषय के बारे में एक सूचना अपने शब्दों में तैयार करें।

2. स्कूल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोराेना वैक्सीनेशन व मास्क वितरण का आयोजन रविवार को रखा गया है इस आयोजन से संबंधित एक सूचना तैयार करें।

3. आपके विद्यालय में वार्षिक पारितोषिक वितरण उत्सव मनाया जाना है। इस उत्सव को धूमधाम से मनाने हेतु एक सूचना तैयार करें।

सूचना लेखन (2022)

1.आप अपने क्षेत्र के गरीब बच्चों को प्रत्येक शनिवार रविवार नि:शुल्क पढ़ाना चाहते हैं इससे संबंधित सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

2. आपके विद्यालय में आंखों के डॉक्टर द्वारा कैंप लगाया जा रहा है। इसके बारे में एक सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

3. आपके विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है । इस विषय के बारे में सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

सूचना लेखन (2023)

1. आपके विद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है ।इस विषय के बारे में सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

2. आपके विद्यालय में आंखों के डॉक्टर द्वारा कैंप लगाया जा रहा है। इसके बारे में एक सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

3. आप अपने क्षेत्र के गरीब बच्चों को प्रत्येक शनिवार रविवार नि:शुल्क पढ़ाना चाहते हैं इससे संबंधित सूचना अपने शब्दों में लिखिए।

प्रतिवेदन (2021)

1.आपके विद्यालय में 26 जनवरी मनाया गया। मुख्य अतिथि ने भाषण दिया और इनाम बांटे। उसका प्रतिवेदन लगभग 50 शब्दों में लिखें।

2. आपके विद्यालय में नशा निवारण दिवस मनाया गया। भाषण प्रतियोगिता हुई छात्र-छात्राओं द्वारा एक नाटक किया गया। मुख्य अतिथि ने विस्तार से चर्चा की और पुरस्कार वितरण किया । इस आयोजन का एक प्रतिवेदन लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

3. गांव में सर्दी की रात में चोरी हुई चोरी हुई।चोर आभूषण और धनराशि घर से ले गए ।घर का मुखिया बेहोश था । उपयुक्त सामग्री के आधार पर 50 शब्दों में प्रतिवेदन लिखें।

प्रतिवेदन (2022)

1. विद्यालय में मनाए गए वार्षिक उत्सव पर प्रतिवेदन लिखिए।

2. आपके स्कूल में कबड्डी का मैच खेला गया उसे पर प्रतिवेदन लिखिए।

3. विद्यालय परिसर में आयोजित सामान्य नेत्र जांच शिविर के आयोजन के समय हुई गतिविधियों का प्रतिवेदन लिखिए।

प्रतिवेदन (2023)

1 आपके विद्यालय में मनाए गए अध्यापक दिवस पर प्रतिवेदन लिखिए।

2 विद्यालय परिसर में आयोजित सामान्य नेत्र जांच शिविर के आयोजन के समय हुई गतिविधियों का प्रतिवेदन लिखिए।

3. आपके विद्यालय में नशा निवारण दिवस मनाया गया । जिसमें छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । प्रधानाचार्य द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों बच्चों को पुरस्कृत किया गया व अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए ।उपयुक्त सामग्री के आधार पर 50 शब्दों में प्रतिवेदन लिखिए।

2016 series A

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1 कवियों, शायरों तथा आम आदमी को संमोहित करने वाला 'पलाश' आज संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर पलाश का विनाश जारी रहा तो यह 'ढ़ाक के तीन पात' वाली कहावत में ही बचेगा। अरावली और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं में जब पलाश वृक्ष चैत (वसंत) में फूलता था तो लगता था कि वन में आग लग गई हो अथवा आग्नि देव फूलों के रूप में खिल उठें हों। पलाश पर एक-दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में दोना-पत्तल बनाने वालों, कारखाने बढ़ने, गाँव-गाँव में चकबन्दी होने तथा बन माफियाओं द्वारा अंधाधुंध कटान कराने के कारण उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रांतों में पलाश के वन घटकर दस प्रतिशत से भी कम रह गये हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश बनों को बचाने के लिए ऊतक संवर्द्धन (टिशू कल्चर) द्वारा परखनली में पलाश के पौधों को विकसित कर`क अभियान चलाकर पलाश बन रोपने की योजना प्रस्तुत की है। हरियाणा तथा पुणे में दो प्रयोगशालाएँ भी खोली हैं।
एक समय था बंगाल का पलाशी का मैदान, अरावली की पर्वत मालाएँ टेसू के फूलों के लिए दुनियां में मशहूर थीं। विदेशों से लोग पलाश के रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। ब्रज, अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी लोकगीतों में पलाश के गुण गाए गए हैं। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुन्दर सजीले नवयुबक से की है, जो अपनी जवानी में सबको आकर्षित कर लेता है, किन्तु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है। वसंत व ग्रीष्म ऋतु में जब तक टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते रहते हैं, उसे सभी निहारते हैं, किन्तु शेष आठ महीने वह पतझड़ का शिकार होकर झाड़-झंखाड़ की तरह रह जाता है।

पर्यावरण के लिए प्लास्टिक पॉलीथीन की थैलियों पर रोक लगने के बाद पलाश की उपयोगिता महसूस की गई, जिसके पत्ते-दोनों, पत्तल, थाली, गिलास सहित न जाने कितने कामों प्रतिशत वन नष्ट कर डाले गए। बिन पानी के बंजर, ऊसर तक में उग आने वाले इस पेड़ की नई पीढ़ी तैयार नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही और समाज जागरुक न हुआ तो पलाश विलुप्त वृक्ष हो जाएगा।

प्रश्न (i) उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) अरावली और सतपुड़ा में पलाश के वृक्ष कैसे लगते थे ?
(iii) पलाश के वृक्ष कम क्यों रह गए हैं ?
(iv) किन लोकगीतों में पलाश का वर्णन किया गया है ?
(v) पलाश के वृक्षों को बचाने के लिए क्या किया जा रहा है ?
(vi) पलाश की उपयोगिता कब अनुभव की गई ? (
(vii) वैज्ञानिकों ने क्या चेतावनी दी ?
(viii) पलाश पर अधिक संकट कब से आया ?
(ix) पलाश के वन घटकर कितने रह गे हैं ?
(x) यदि यही स्थिति रही तो पलाश का क्या होगा ?
(xi) पलाश किन स्थितियों में उग सकता है ?

2016 Series B

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हम आम लोगों को कहते हुए सुनते हैं कि कोई व्यक्ति अच्छा है या बुरा इसकी पहचान उसकी संगति से होती है । यह स्वाभाविक ही है कि स्वभाव, आचार, व्यवहार की दृष्टि से जैसा व्यक्ति खुद होगा, वैसे ही लोगों से वह मिलना जुलना पसंद करेगा। कौए कौओं से ही मिलकर बैठते हैं। कुंजे कूँजों से। केवल इतना ही नहीं, किसी का चरित्र बनाने या बिगाड़ने में भी संगति का बहुत बड़ा हाथ होता है। अगर कोई शराबियों के साथ उठता बैठता है तो उसे शराब की बुराई चिपट जाएगी । हम प्रतिदिन कहते और सुनते हैं कि, खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग पकड़ता है। इसलिए मनुष्य-अपनी संगति के प्रभाव से कैसे बच सकता है। इस प्रकार साधु-संगति या सत्संग कहलाने का मान केवल उस संगत को होता है, जिसमें संत सतगुरु शामिल हों। यह महापुरुष दया और दयालुता के स्रोत होते हैं और वे अपनी शिक्षा दयालुता और दया भाव से अनेक जीवों को कृतार्थ करते हैं। जहा ऐसे उपकारी पुरुष वास करते हैं उस स्थान की संगति परोपकार की भावना से भर जाती है। ऐसी साधु संगति से मन का मैल दूर हो जाता है। सारी सृष्टि के जीवों में ईश्वर का ही नूर दिखाई देता है। विश्व-बंधुत्व क भावना बढ़ जाती है। अतः परमानंद प्राप्त करने के लिए अच्छे पुरुषों की संगति ही एक मात्र उपाय या साधन है अतः सत्संग को अपनाना ही सही कदम है।
(i) उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) अच्छे या बुरे व्यक्ति की पहचान कैसे होती है?
(iii) व्यक्ति कैसे लोगों से मिलना जुलना पसंद करता है
(iv) चरित्र निर्माण में कैसी संगति बाधक है?
(v) मनुष्य के आचार व्यवहार पर अधिक प्रभाव किसक होता है ?
(vi) सत्संगति कहलाने का मान किस संगति को प्राप्त है?

(vii) महापुरुषों की संगति में क्या लाभ प्राप्त होता है?
(viii) परमानन्द प्राप्त करने का एक मात्र उपाय क्या है?
(ix) मानव जीवन में सही कदम क्या है ?
(x) शराब पीने की गलत आदत कब चिपट जाती है ?
(xi) मनुष्यों को कहाँ जा कर बैठना चाहिए ?
(xii) सृष्टि के जीवों में किसका नूर दिखाई देता है ?

2016 series C

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

परमार्थ की प्राप्ति के लिए हमारे आदर्श को ऊँचा होना जरूरी है। जब कोई निश्चित लक्ष्य या ध्येन न हो, उसकी प्राप्ति की आशा रखना व्यर्थ है । जब कोई लक्ष्य या आदर्श निश्चित हो जाए तब मनुष्य जितने कदम बढ़ाएगा उतना उसका लक्ष्य निकट होता जाएगा । दुनियाँ में आम लोगों की हालत अपने आप बहते हुए मूर्दे की तरह है, जिधर लहर आई बहाकर ले गई । हम सांसारिक परम्पराओं की नदी में बहते चले जा रहे हैं। लकीर के फकीर हैं। हम सोचते हैं कि 'जैसे पिता पुरखी चली आई है, चलते जाओ'। हम निराधार भ्रमों में डूबे हुए अपना समय बर्बाद करते चले जाते हैं। हमें शरीर और उसकी जरूरतों के अलावा कभी किसी चीज का ख्याल भी नहीं आता। हम आत्मा और उसकी उड़ान की कल्पना ही नहीं कर सकते । झूठे विचारों को छोड़ने की जरूरत है। सच्चे विचारों को धारण करो। सच्चे उसूलों की असलियत को समझो। समझ में न आए तो उसकी पूछताछ करो। ताकि जिस मैदान में हमें कदम रखना है वह साफ-साफ हमारे सामने हो और उस राह पर चलने में कोई विघ्न ना पड़े। जो लोग बिना सोचे- समझे दूसरों की देखा-देखी, किसी राह पर चल पड़ते हैं, वे किसी न किसी भ्रम में फंस जाते हैं। उनकी प्रगति रुक जाती है और वे सच्चे परमार्थ के रास्ते से भटक जाते हैं । इसलिए अपने आदर्श को स्पष्ट रूप से सामने रखकर चलने वाले सफलता प्राप्त कर लेते हैं। अपने अन्दर झांक कर देखो तुम क्या बनना चाहते हो ?

प्रश्न (1) गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(2) परमार्थ की प्राप्ति के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
(3) मनुष्य अपने लक्ष्य के निकट कब पहुँचता है ?
(4) हम अपना अत्यधिक समय कैसे बर्बाद कर देते हैं ?
(5) परमार्थ में सफल होने का क्या साधन है ?
(6) हम किसकी कल्पना नहीं कर सकते ?
(7) हमें अपने अन्दर में क्या झाँकना चाहिए ?
(8) दुनियाँ में आम लोगों की हालत कैसी है ?
(9) बिना सोचे समझे चलने वालों को क्या हानि होती है ?
(10) हमें अपनी सफलता के लिए क्या छोड़ने की जरूरत है ?
(11) मनुष्य को अपना अगला कदम कब आगे बढ़ाना चाहिए ?
(12) दुनियाँ की असलियत समझ न आने पर हमें क्या करना चाहिए ?

2017 series A

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ब्रह्मचर्य शुद्ध आचार का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है। यह मन, वचन और कर्म की पवित्रता का नाम है। इसमें केवल काम इंद्रियों को रोकना या नियंत्रित करना नहीं, बल्कि साथ ही और सब इंद्रियों को वश में करना भी शामिल है। यह मनुष्य के जीवन में हर एक जगह काम आने वाली चीज है। आत्मिक उन्नति के लिए तो इसकी खास तौर पर ज़रूरत है। इसमें सदाचार, ऊँचा आचार या शुद्ध आचार सब आ जाते हैं। जीवन की सफलता चाल- चलन की निर्मलता पर निर्भर है। सब बड़े लोगों ने अपने चाल-चलन से महानता प्राप्त की है। ब्रह्मचर्य एक आचार है जो परमार्थ में बहुत सहायक सिद्ध होता है। इसलिए मनुष्य को इसका कभी त्याग नहीं करना चाहिए। जो आचार को श्रेष्ठ रखता है, वह मनुष्यों में भगवान पुरुष बन जाता है। "सदाचार" एक जीवन युक्ति है जो चाल-चलन स्वभाव और मनुष्य के कर्तव्यों का वर्णन करता है। इसको इन्सानी चाल-चलन की फिलॉसफी भी कह सकते हैं। यह वह रीति हैं जिसके अनुसार मनुष्य दूसरे मनुष्य या पशु-पक्षियों के साथ व्यवहार करता है। ऋषि-मुनि कहते हैं, "आचार सबसे बड़ा धर्म है, जिसका श्रुतियों और स्मृतियों में वर्णन किया गया है। इसलिए जिस पुरुष को आत्मा का ज्ञान है, उसको हमेशा सदाचारी बनने का यत्न करना चाहिए। यह देखकर कि धर्म का मार्ग आचार से निकलता है, ऋषि-मुनि आचार को सब तपों का मूल समझते हैं और ग्रहण करते हैं।"

(i) उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) मन, वचन और कर्म का पवित्रता किससे होती है ? (iii) मानव जीवन में हर जगह काम आने वाली चीज

क्या है ?
(iv) श्रुतियों और समृतियों में क्या वर्णन मिलता है ?
(v) श्रेष्ठ आचरण रखने वाला मनुष्य क्या बन जाता है ?
(vi) सदाचार हमें क्या प्रदान करता है ?
(vii) जीवन की सफलता किस गुण पर निर्भर है ?
(viii) ऋषि-मुनियों का क्या मत है ?
(ix) आत्मिक उन्नति के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
(x) हमें सदा किसका त्याग नहीं करना चाहिए ?
(xi) बड़े लोगों ने महानता कैसे प्राप्त की है ?
(xii) शुद्ध आचरण जीवन में क्यों आवश्यक है ?

2017 series B

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए:

दुःख के वर्ग में जो स्थान भय का है, वह स्थान आनंद-वर्ग में उत्साह का है। भय में हम प्रस्तुत कठिन स्थिति के नियम से विशेष रूप में दुःखी और कभी-कभी उस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए प्रयत्नवान भी होते हैं। उत्साह में हम आने वाली कठिन स्थिति के भीतर साहस के अवसर के निश्चय-द्वारा प्रस्तुत कर्म सुख की उमंग से अवश्य प्रयत्नवान होते हैं। उत्साह से कष्ट या हानि सहने की दृढ़ता के साथ-साथ कर्म में प्रवृत्ति होने के आनंद का योग रहता है। साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है। कर्म-सौन्दर्य के उपासक ही सच्चे उत्साही कहलाते हैं।

जिन कर्मों में किसी प्रकार कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है उन सबके प्रति उत्कंठापूर्ण आनंद उत्साह के अंतर्गत लिया जाया है। कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्ध-वीर, दान-वीर, दया-वीर इत्यादि भेद किये हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्धवीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा क्या मृत्यु तक की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यंत प्राचीनकाल से चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं। केवल कष्ट या पीड़ा-सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता। उसके साथ आनंदपूर्ण प्रत्यन या उसकी उत्कंठा का योग चाहिए। बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने को तैयार होना साहस कहा जाएगा, पर उत्साह नहीं। इसी प्रकार चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलाए घोर प्रहार सहने के लिए तैयार रहना साहस और कठिन से कठिन प्रहार सहकर भी जगह से न हटना वीरता कही जायेगी। ऐसे साहस और वीरता को उत्साह के अंतर्गत तभी ले सकते हैं जबकि साहसी या वीर उस काम को आनंद के साथ करता चला जाएगा जिसके
कारण उसे इतने प्रहार सहने पड़ते हैं। सारांश यह है कि आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नहीं। वृत्ति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है।

दानवीर का अर्थ-त्याग का साहस अर्थात् उसके कारण होने वाले कष्ट या कठिनता को सहने की क्षमता अंतर्हित रहती है। दानवीरता तभी कही जाएगी जब दान के कारण दानी को अपने जीवन-निर्वाह में किसी प्रकार का कष्ट या कठिनता दिखाई देगी। इस कष्ट या कठिनता की मात्रा या संभावना जितनी ही अधिक होगी, दानवीरता उतनी ही ऊँची समझी जायेगी, पर उस अर्थ- त्याग के साहस के साथ ही जब तक पूर्ण तत्परता और आनंद के चिह्न न दिखाई पड़ेंगे तब तक उत्साह का स्वरूप न खड़ा होगा।

(i) उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) उत्साह का स्थान क्या है ?
(iii) उत्साह में किसका योग रहता है ?
(iv) उत्साह के भेदों में सबसे प्राचीन किसे माना जाता है ?
(v) दानवीरता किसे कहा जा सकता है ?
(vi) भय का स्थान किस वर्ग में है ?
(vii) दानवीरता में उत्साह का स्वरूप कब तक प्रकट नहीं होता ?
(viii) उत्साह के दर्शन कहाँ होते हैं ?
(ix) उत्साह के बीच किनका संचरण होता है ?
(x) उत्साह के भेद किसने किए हैं ?
(xi) सच्चे उत्साही कौन होते हैं ?
(xii) मृत्यु तक की परवाह किस प्रकार की वीरता में नहीं होती?

2017 C अपठित गद्यांश

1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारा हिमालय से कन्याकुमारी तक फैला हुआ देश, आकार और आत्मा दोनों दृष्टियों से महान और सुन्दर है। उसका बह्य सौन्दर्य विविधता की सामंजस्यपूर्ण स्थिति है और आत्मा का सौन्दर्य विविधता में छिपी हुई एकता की अनुभूति है। चाहे कभी न गलने वाला हिम का प्राचीर हो, चाहे कभी न जमने वाला अतल समुद्र हो, चाहे किरणों की रेखाओं से खचित हरीतिमा हो, चाहे एकरस शून्यता ओढ़े हुए मरु हो, चाहे सांवले भरे

मेघ हों, चाहे लपटों में सांस लेता हुआ बवंडर हो, सब अपनी भिन्नता में भी एक ही देवता के विग्रह को पूर्णता देते हैं। जैसे मूर्ति के एक अंग का टूट जाना संपूर्ण देव- विग्रह को खंडित कर देता है, वैसे ही हमारे देश की अखंडता के लिए विविधता की स्थिति है।
यदि इस भौगोलिक विविधता में व्याप्त सांस्कृत्कि एकता न होती, तो यह विविध नदी, पर्वत, वनों का संग्रह मात्र रह जाता। परन्तु इस महादेश की प्रतिभा ने इसकी अंतरात्मा को एक रसमयता में प्लावित करके इसे विशिष्ट व्यक्तित्व प्रदान किया है, जिससे यह आसमुद्र एक नाम की परिधि में बंध जाता है।
हर देश अपनी सीमा में विकास पाने वाले जीवन के साथ एक भौतिक इकाई है, जिससे यह समस्त विश्व की भौतिक और भौगोलिक इकाई से जुड़ा हुआ है। विकास की दृष्टि से उसकी दूसरी स्थिति आत्म-रक्षात्मक तथा व्यवस्थापरक राजनीति सत्ता में है। तीसरी सबसे गहरी तथा व्यापक स्थिति उसकी सांस्कृतिक गतिशीलता में है, जिससे वह अपने विशेष व्यक्तित्व की रक्षा और विकास करता हुआ विश्व जीवन के विकास में योग देता है। यह सभी बाह्य और स्थूल तथा आंतरिक और सूक्ष्म स्थितियां एक दूरी पर प्रभाव डालतीं और एक दूसरी से संयमित होती चलती है। एक विशेष भूखंड में रहने वाले मानव का प्रथम परिचय, संपर्क और संघर्ष अपने वातावरण से ही होता है और उससे प्राप्त जय, पराजय, समन्वय आदि से उसका कर्म-जगत् ही संचालित नहीं होता, प्रत्युत अंतर्जगत् और मानसिक संस्कार भी प्रभावित होते हैं।
(i)उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) हमारे देश की सुन्दरता किसमें निहित है ?
(iii) हमारा देश कहाँ से कहाँ तक फैला हुआ है ?
(iv) कौन एक ही देवता के विग्रह को पूर्णता प्रदान करते हैं ?
(v) हमारे देश की अखंडता के लिए विविधता की स्थिति कैसी है ?
(vi) विकास की दृष्टि से किसी देश की स्थिति किसमें है ?
(vii) किसी स्थान पर रहने वाले मानव का सबसे पहला परिचय किससे होता है ?
(viii) हमारे देश की भौगोलिक विविधता में क्या व्याप्त है ?
(ix) प्रत्येक देश अपनी सीमा में विकास पाने वाले जीवन के साथ क्या है ?
(x) हमारे देश की अंतरात्मा किसमें डूबी हुई है ?
(xi) हमारे देश का बह्य सौन्दर्य किसमें समाहित है ?
(xii) कोई देश अपने विशेष व्यक्तित्व की रक्षा कैसे करता है ?

अपठित गद्यांश 2018(A) 10अंक

1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

सतलुज का पुराना नाम कितना सुन्दर था। देश के ऋषि मुनि इसे शतद् नाम से पुकारते थे। वेट में मुनियों ने शतद्रू का यशोगान किया है। तब भारतवर्ष हिम वर्ष नाम से जाना जाता था। भारत के राजा होने पर इसे भारतवर्ष कहा जाने लगा। शतद्रू के किनारे भरत ने अपने राज्य का विस्तार किया। इसमें सभ्यता का भी विकास हुआ। वह पूर्व वैदिक काल की सभ्यता थी। शतद् के तट पर ही विश्वामित्र और वशिष्ट के बीच युद्ध हुआ। वशिष्ठ अपने ज्ञान और तप के कारण ब्रह्मर्षि कहलाते थे। विश्वामित्र अपने को किसी से कम नहीं समझते थे। वे चाहते थे लोग उन्हें भी ब्रह्मर्षि कहें। वशिष्ठ को नीचा दिखाने के लिए विश्वामित्र सेना लेकर आ पहुँचे। वशिष्ठ ने उनका सत्कार करना चाहा। विश्वामित्र घमण्ड से बोले तु हमारा क्या सत्कार करेगा। हमारे लाखों लोग हैं। हम शाही भोजन के अभ्यस्त हैं।वशिष्ठ जी ने कामधेनु गाय की कृपा से विश्वामित्र की सारी आकांक्षाएँ पूरी कर दीं। इस पर विश्वामित्र ने कामधेनु की ही माँग रख दी। माँग पूरी न होती देख वे युद्ध के लिए तैयार हो गए। इस प्रकार इस नदी के किनारे पहला युद्ध हुआ था। हिंदुस्तान-तिब्बत सड़क शिप्कोला तक बनाई गई थी। पुरानी सड़क अब प्रयोग में नहीं है। अब सतलुज के प्रवाह के साथ-साथ नई सड़क बनाई गई है। यह सड़क खाबो से होते हुए रोहतांग से जोड़ दी गई है। खाबो से पहले यह नदी स्पिती से मिलती है। यहाँ पर इस नदी पर पुल बनाया गया है, जहाँ से बसें किन्नौर के जिला मुख्यालय से खाबो तथा काजा इत्यादि के लिए जाती हैं। जब यह नदी शिप्कीला से भारत में बहती है, तो अनेक जल-धाराएं इसमें मिल जाती हैं और यह क्षिप्र से क्षिप्रतर वेग से बहती है। करछम के पास ही यह बस्पा से मिलती है। यहाँ तक यह पेड़ों की हरीतिमा में रहती है, लेकिन रामपुर पहुँचते-पहुँचते इन पहाड़ियों की हरीतिमा कम हो जाती है। इस नदी पर जहां भी जल दोहन की सम्भावना है, वहाँ प्रयास किया जा रहा है कि विद्युत पैदा की जाए। पूह से रामपुर तक का प्रयास किया जा रहा है।
(i) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) ऋग्वेद में किसका गुणगान किया गया है ?
(iii) पूर्व वैदिक-काल में सभ्यता का विकास कहाँ हुआ था ?
(iv) इस नदी के दोहन का प्रयास कहाँ किया जा रहा है ?
(v) सतलुज का पुराना नाम क्या था ?
(vi) शतद्रू के किनारे किसने अपने राज्य का विस्तार किया ?
(vii) वशिष्ठ ब्रह्मर्षि क्यों कहलाते थे ?
(viii) विश्वामित्र ने वशिष्ठ से युद्ध क्यों किया था ?
(ix) हिन्दुस्तान-तिब्बत सड़क अब कहाँ तक पहुँच गई है ?

(x) विश्वामित्र सेना लेकर क्यों आए ?
(xi) किस स्थान के पुल से बसें काजा और खाबी जाती हैं ?
(xii) इसका वेग कहां पर बढ़ जाता है ? 1 x 10

2018 (सीरीज B)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कवियों, शायरों तथा आम आदमी को सम्मोहित करने वाला 'पलाश' आज संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है अगर पलाश का विनाश इसी तरह जारी रहा तो यह 'ढाक के तीन पात' वाली कहावत में ही बचेगा। अरावली और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं में जब पलाश वृक्ष चैत (बसंत) में फूलता था तो लगता था कि वन में आग लग गई हो अथवा अग्नि देव फूलों के रूप में खिल उठे हों। पलाश पर एक-दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले 30-40 वर्षों में दोना-पत्तल बनाने वालों, कारखाने बढ़ने, गाँव-गाँव में चकबंदी होने तथा वन माफियाओं द्वारा अंधाधुंध कटाव कराने के कारण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रांतों में पलाश के बन घटकर 10% से भी कम रह गए हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश वनों को बचाने के लिए ऊतक संवर्द्धन (टिशू कल्चर) द्वारा परखनली में पलाश के पौधों को विकसित कर एक अभियान चलाकर पलाश वन रोपने की योजना प्रस्तुत की है। हरियाणा तथा पुणे में ऐसी दो प्रयोगशालाएं भी खोली हैं।एक समय था जब बंगाल का पलाशी का मैदान, अरावली की पर्वत-मालाएं टेसू के फूलों के लिए दुनिया में मशहूर थीं। विदेशों से लोग पलाश के रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। ब्रज, अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी और पंजाबी लोकगीतों में पलाश के गुण गाए गए हैं। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना ऐसे सुंदर-सजीले नवयुवक से की है, जो अपनी जवानी में सबको आकर्षित कर लेता है किंतु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है। बसंत व ग्रीष्म ऋतु में जब तक टेसू में फूल और हरे-भरे पत्ते रहते हैं, उसे सभी निहारते है किन्तु शेष आठ महीने वह पतझड़ का शिकार होकर झाड़-झंखाड़ की तरह रह जाता है।की गई, जिसके पत्ते-दोनों, पत्तल, थाली गिलास सहित न जाने कितने काम में उपयोग में आ सकते हैं। पिछले 30-40 सालों में 90% वन नष्ट कर डाले गए। बिन पानी के बंजर, ऊसर तक के उग आने वाले इस पेड़ की नई पीढ़ी तैयार नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही और समाज जागरूक न हुआ तो पलाश वृक्ष विलुप्त हो जाएगा।

(i) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) अरावली और सतपुड़ा में पलाश के वृक्ष कैसे लगते थे?
(iii) पलाश के वृक्ष कम क्यों रह गए हैं?
(iv) पलाश के वृक्षों को बचाने के लिए क्या किया जा रहा है?
(v) किन लोकगीतों में पलाश का वर्णन किया गया है?
(vi) पलाश की उपयोगिता कब अनुभव की गई?
(vii) वैज्ञानिकों ने क्या चेतावनी दी?
(viii) पलाश पर अधिक संकट कब से आया है ?
(ix) कवियों, शायरों और आम आदमी को सम्मोहित करने वाला आज क्या संकट में है?
(x) पलाश के वन घटकर कितने रह गए हैं?
(xi) पलाश किन स्थितियों में उग सकता है?
(xii) यदि यही स्थिति रही तो पलाश का क्या होगा?

2018 सीरीज C

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मांगलिक अवसरों पर पुष्प मालाओं का महत्त्व कोई नया नहीं है। पुष्प मालाएं उन्हें ही पहनाई जाती थी जिन्हें सामाजिक दृष्टि से विशिष्ट या अति विशिष्ट माना जाता था। देवताओं पर पुष्प-मालाएँ अर्पित करने के पीछे मनुष्य की ऐसी ही भावनाएँ थीं। इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण है फूलों की मालाओं को धारण करना। जितना सम्मान फूलों की माला पहनाकर, किसी अति विशिष्ट व्यक्ति को दिया जाता है उसकी सार्थकता तभी है जब वह व्यक्ति अपने गले में धारण कर स्वीकार करें। यदि वह विशिष्ट व्यक्ति उसे धारण नहीं करता है तो वह अप्रत्यक्ष रूप से स्वयं उस सम्मान का तिरस्कार करता है। इससे न सिर्फ पुष्प-माला पहनने वालों का बल्कि उन फूलों का भी अपमान होता है जो उसमें गुंथे जाते हैं। किसी भी शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि या विशिष्ट व्यक्ति को पुष्प-मालाएँ पहनाई तो जाती हैं लेकिन न जानेकिस कुंठा या कुसंस्कार के कारण उसे गले से निकालकर सामने मेज पर रख लेते हैं या अपने पी० ए० यासुरक्षा कर्मियों को सौंप देते हैं जो जाते समय या तो वहीं छोड़ जाते हैं या रास्ते में फेंक जाते हैं। पुष्पों का,पहनाने वालों का और स्वयं खुद का वह इस प्रकार अपमान कर जाते हैं जिससे पता चलता है कि विशिष्ट कहे जाने वाले व्यक्ति में इतनी पात्रता नहीं है कि उस पुष्पमाला को अपने गले में धारण कर सके। पुष्प माला का अपमान करने और उसके परिणामों से जुड़ी एक पौराणिक कथा है जिसके माध्यम से रचयिता ने पुष्प की मालाओं के महत्त्व को स्थापित करने की कोशिश की है।

वैसे 'समुद्रमंथन' की कथा लगभग सभी भारतवासियों को मालूम है लेकिन क्यों हुआ था इसकी जानकारी कम लोगों को ही होगी। "विष्णु पुराण" के प्रथम अंश के नवें अध्याय में इस अमृत-मंथन के कारणों कास्पष्ट उल्लेख है कि फूलों की माला का अपमान करने के प्रायश्चित स्वरूप देवताओं को अमृतम पड़ा। वह कथा इस प्रकार है कि दुर्वासा ऋषि ने पृथ्वी पर विचरण करते हुए एक कृशांगी के, जिसकी बड़ी- बड़ी आँखें थीं, हाथ में एक दिव्य माला देखी। उन्होंने उस विद्याधरी से उत्श माला को मांग लिया और उसे किसी अति विशिष्ट व्यक्ति की गर्दन में डालने की बात सोचने लगे।

तभी एरावत पर चढ़े देवताओं के साथ आते हुए इंद्र पर उनकी नजर पड़ी उन्हें देखकर दुर्वासा ने उस माला को इन्द्र के गले में डाल दिया लेकिन इंद्र ने अनिच्छापूर्वक ग्रहण करके उस माला को एरावत के मस्तक पर डाल दिया। एरावत उसकी गंध से इतना विचलित हो उठा कि फौरन सूंड में लेकर उस माला को पृथ्वी पर फेंक दिया। संयोगवश वह माला दुर्वासा के ही पास जा गिरी। इंद्र को पहनाई गई माला की इतनी दुर्दशा देखकर दुर्वासा को क्रोध आना स्वाभाविक था। वह वापस इंद्र के पास लौटकर आए और कहने लगे, "अरे ऐश्वर्य के घमंड में चूर अहंकारी इंद्र ! तू बड़ा ढीठ है, तूने मेरी दी हुई माला का आदर नहीं किया। न तो तुमने माला पहनते वक्त मेरे द्वारा किए गए सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया और न ही तुमने उस माला का ही सम्मान किया इसलिए अब तेरा ये त्रिलोकी वैभव नष्ट हो जाएगा। तेरा अहंकार तेरे विनाश का कारण है जिसके प्रभाव में तूने मेरी माला का अपमान किया। तू अब अनुनय विनय करने का ढोंग भी मत करना। मैं इसके लिए क्षमा नहीं कर सकता"।

(i) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) कौन-सा व्यक्ति फूलों का अपमान करता है ?

(iii) लोग किस कारण फूलों की मालाओं को धारण नहीं करते ?

(iv) पुष्प मालाएँ किन्हें पहनाई जाती हैं ?

(v) किसके आधार पर देवताओं को समुद्रमंथन किस कारण करना पड़ा था ?

(vi) फूलों की माला का अपमान करने के कारण किसने किसको श्राप दिया था ?

(vii) दुर्वासा ऋषि ने फूलों की माला कहाँ से प्राप्त की थी ?

(viii) पुष्प मालाओं का प्रयोग किन अवसरों पर किया जाता है ?

(ix) देवताओं को मालाएँ क्यों पहनाई जाती हैं ?

(x) गले में पहनाई गई माला का लोग प्रायः क्या करते हैं ?

(xi) कौन-सी कथा अधिकांश भारतीय जानते हैं ?

2019 series (A)

निम्नलिखित गद्यांशको पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

पुराने समय से ही युद्ध में सैनिकों का उत्साह बढ़ाने के लिए वाद्य यंत्रों के साथ गीत संगीत का प्रयोग होता आया है। संगीत की स्वर लहरी वीर सैनिकों में उत्साह का संचार करती है। देश भक्ति के गीत सुन सुनकर सैनिक दुश्मनों के लिए काल और मृत्यु बन जाते हैं। रणभूमि में बिगुल सुनकर उनका रोम रोम वीरता को उमंगों से भर जाता है। दिल में कुछ कर गुजरने का तूफान उठने लगता है। हमारे देश में जब-जब संकट आया है, भारत के फौलादी फौजियों ने दुश्मनों को इस बात का एहसास दिला दिया, जो हमसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा। इस तरह फौजियों और स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए दुहाई दी। इसी तरह कश्मीर के मामले में जब-जब दुश्मनों ने कश्मीर को हथियाने की कोशिश की तब-तब फौजियों ने सीना तानकर दुश्मनों का सामना किया और कहा, "दूध माँगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर माँगोगे तो चौर देंगे।" इस तरह के नारों ने दुश्मनों के दिल दहला दिए। धीरे-धीरे समय बदला और यह देश-भक्ति की भावना के नारे लगाना, देश भक्ति गीत में बदलने लगा। स्वतन्त्रता संग्राम के यज्ञ की ज्वाला को धधकाने में वन्दे मातरम् गीत ने घी का काम किया। फ़िल्मी उद्योग ने भी लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जागरूक करने के लिए देश-भक्ति के गाने और फ़िल्में बनानी शुरू कर दीं। यदि यह फिल्में देश-भक्ति की भावना से परिपूर्ण हों, तो देश के जवानों में ही नहीं, देशवासियों में भी देश पर मर मिटने का उत्साह पैदा होता है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) प्राचीन काल में युद्ध में सैनिकों का उत्साह कैसे बढ़ाते थे ?

(iii) संगीत की स्वरलहरी का क्या प्रभाव होता है ?

(iv) स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में कौन-सा गीत प्रचलित था ?

(ix) आग में घी का काम करने से क्या आशय है ?

(x) देश पर मर मिटने का उत्साह कैसे पैदा होता है

2019 series (B)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

जीवन का सबसे बड़ा कलाकार और सबसे सफल व्यक्ति यह है जो उपयुक्त चुनाव करना है चुनाव करने में तनिक भी भूल चूक हो गई तो असफलता, पतन और हानि सुनिश्चित है। कुछ चुनाव हमारे ब में नहीं हैं, जैसे माता-पिता का, देश-काल का. जन्म मृत्यु का, किंतु कुछ चुनाव हमारे वश में हैं जिन पर हमारी सफलता और असफलता निर्भर करती है जैसे काम करने या न करने का चुनाव, आलस्य और परिचम का चुनाव और अच्छी-बुरी संगति का चुनाव। इन सब चुनावों में अच्छी बुरो संगति का चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इस चुनाव पर ही हमारा आचरण, हमारा कर्म, हमारे विचार, हमारी कर्म शैली और हमारी भाषा का स्तर निर्भर है। इन्हीं बातों पर हमारे जीवन की सफलता असफलता की संभावनाएँ टिकी हैं। यदि हम अपना चुनाव ठीक से नहीं कर सकते तो हम अपने जीवन में सफलता भी नहीं प्राप्त कर सकते। हमारे सामने अनेक उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि समय के अनुसार उचित अनुचित का विचार करने के बाद जब कोई व्यक्ति सही चुनाव करता है तो सफलता उसके कदम चूमती है और गलत चुनाव करने वाला पछताता रह जाता है। उसके बाद पछताने का उसे कोई लाभ भी नहीं मिलता। कहा भी है 'अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत'। यहाँ 'चिड़ियों का खेत चुग जाना' अवसर के अनुकूल सही चुनाव न कर सकने के कारण पछताते रहने से ही है। खेल का मैदान हो या जीवन संघर्ष प्रत्येक स्थान पर सफलता सही समय पर सही चुनाव करने वाले को ही मिलती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) चुनाव में तनिक-सी भूल हो जाने पर क्या परिणाम होता है ?

(iii) कौन-कौन से चुनाव हमारे वश में नहीं हैं?
(iv) सबसे महत्वपूर्ण चुनाव कौन-सा है और क्यों ?
(v) गलत चुनाव करने वाले की क्या दशा होती है ?
(vi) किसे पछताने का अवसर नहीं मिलता ?
(vii) चिड़ियों का खेत चुग जाना क्या है ?
(viii) आलस्य और परिश्रम में क्या अन्तर है ?
(ix) हमारा आचरण किस चुनाव पर निर्भर करता है?

2019 Series(C)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मैंने जो कुछ जीवन में अध्ययन और अनुभव से सीखा है, वह यही है कि महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं है, उस कार्य को करने की भावना में है। बड़े से बड़ा कार्य हीन है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं और छोटे से छोटा कार्य भी महान है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना है।महान कमालपाशा उन दिनों अपने देश तुर्की के राष्ट्रपति थे। राजधानी में उनकी वर्षगांठ बड़ी धूमधाम से मनाई गई। देश के लोगों ने उस दिन लाखों रुपये के उपहार उन्हें भेंट किए। वर्षगांठ का उत्सव समाप्त कर जब वे अपने भवन में ऊपर चले गए तो एक देहाती बूढ़ा, उन्हें वर्षगांठ का उपहार भेंट करने आया। सेक्रेटरी ने कहा "अब तो समय बीत गया है।" बूढ़े ने कहा, "मैं तीस मील से पैदल चलकर आ रहा हूँ। इसलिए मुझे देर हो गई है।" राष्ट्रपति तक उसकी सूचना भेजी गई। कमालपाशा विश्राम के वस्त्र बदल चुके थे। वे उन्हीं कपड़ों में नीचे चले आए और उन्होंने आदर के साथ बूढ़े किसान का उपहार स्वीकार किया। यह उपहार मिट्टी की छोटी सी हंडिया में पाव-भर शहद था, जिसे बूढ़ा स्वयं तोड़कर लाया था। कमालपाशा वृड़े के मुंह में दे दी। चूड़ा निहाल हो गया। राष्ट्रपति ने कहा "दादा। आज सर्वोत्तम उपह पहम तुमने ही ही मुझे भेंट किया, क्योंकि इसमें तुम्हारे हृदय का शुद्ध प्यार है।" उन्होंने आदेश दिया कि राष्ट्रपति में शाही सम्मान के साथ उनके दादा को गाँव तक पहुँचाया जाए।की शाही कार क्या वह शहद बहुत कीमती था? क्या उसमें हीरे मोती मिले हुए थे ? ना. उस शहद के पीछे उसके लाने वाले की भावना थी, जिसने उसे सी लालों का एक लाल बना दिया। "हम किसे जान सकते हैं कि हमारा काम देश के अनुकूल है या नहीं" ? हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्तिबोध और दूसरा सौन्दर्य बोध। बस इतना समझ लें कि हमारा कोई कार्य ऐसा न हो जो देश में कमजोरी की भावना को बाल दे। लो मैं अपनी बात को और स्पष्ट करता है।क्या आप अपने देश के साथ दूसरे देश की तुलना करते हैं और इस तुलना में अपने देश को हीन और दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं यदि इस प्रश्न का उत्तर 'हाँ' है तो आप देश के शक्तिबोध को भयंकर चोट पहुँचा रहे हैं। लो मैं आपसे दूसरा प्रश्न पूछता हूँ। क्या आप कभी केला खाकर छिलका रास्ते में फेंकते हैं ? अपने घर का कूड़ा बाहर फेंकते हैं। निमंत्रित होने पर समय से लेट पहुँचते हैं? यदि आपका उत्तर हाँ है तो आपके द्वारा सौन्दर्य बोध को भयंकर आघात लग रहा है। क्या कोई ऐमी कसौटी भी बनाई जा सकती है जिससे देश के नागरिकों को आधार बनाकर देश की उच्यता और हीनता को हम तोल सके ? हाँ. इस उच्चता और हीनता की कसौटी है 'चुनाव'।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) लेखक ने अपने अनुभव से क्या सीखा ?
(iii)उन दिनों तुर्की के राष्ट्रपति कौन थे ?
(iv)देहाती बूड़ा किसान क्या उपहार लाया था ?
(v) बड़े से बड़ा कार्य कब होन बन जाता है ?
(vi) राष्ट्रपति के अनुसार चूड़े का उपहार सर्वोत्तम क्यों था ?
(vii) आज हमारे देश को किन दो बातों की सबसे अधिक आवश्यकता है?
(viii)हम अपने देश के शक्तिबोध को कब चोट पहुंचाते हैं?
(ix) वृद्ध का उपहार को कब चोट पहुँचाते हैं ? स्वीकार करने के पश्चात् राष्ट्रपति ने क्या आदेश दिया ?
(x) देश के नागरिकों को आधार बना कर किसी भी देश की उच्चता और हीनता को तोलने की कसौटी क्या है?

2020 Series (A)

1. निम्नलिखित गद्याँश को पढ़कर अन्त में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें :

भारत को नदियों का देश कहा जाता है इसलिए नहीं कि इसदेश में नदियों की अधिकता है बल्कि इसलिए कि इस देश में नदिय का विशेष रूप से सम्मान हुआ है। नदियाँ हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती हैं। उनसे हमारा आर्थिक, सामाजिक, आध्यात्मिक जीवन समृद्ध हुआ है पर आज वे अपना प्राचीन महत्व खोती जा रही हैं। भारत के प्राचीन ग्रन्थों विशेषकर वेदों, ब्राह्मण ग्रन्थों और पुराणों में नदियों के बारे में प्रचुर सामग्री मिलती है। नदियों का वनों से गहरा सम्बन्ध होता है। वनों के रहते नदियाँ स्वयं ही फूट पड़ती हैं तथा प्रवाहित होती रहती हैं। वन नहीं रहेंगे तो नदियां भी नहीं रहेंगी। नदियाँ न रहने पर हमारी संस्कृति बिखर जाएगी इसलिए आर्थिक उन्नति के लिए स्वास्थ्य और सुख प्राप्ति के लिए वनों का बहुत महत्व होता है। हमें वनों के संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। भारत की अनेक नदियों को पवित्र माना जाता रहा है, पर आज मनुष्य ने वनस्पतियों और पानी के रिश्ते को भुला दिया है तथा आज ये नदियाँ मोक्षदायिनी नहीं रही हैं। नदियों का जल प्रदूषित हो रहा है। आज गंगा, यमुना जैसी पवित्र मानी जाने वाली नदियों का जल बुरी तरह प्रदूषित हो गया है। आज भी पूरा भारत प्रमुख नदियों के समूह में बँटा हुआ है। मध्य देश में गंगा-यमुना समूह, पूर्व में ब्रह्मपुत्र-मेघना समूह, पश्चिम में नर्मदा-ताप्ति समूह, दक्षिण में महानदी समूह है। दक्षिण भारत में कृष्णा नदी समूह और कावेरी नदी समूह विद्यमान है। कुछ नदियों के विस्तृत विवरण के सहारे प्राचीन भारत पर प्रकाश पड़ता है। इन नदियों के किनारे बसे नगर या तो विशाल और शक्तिशाली राज्यों की राजधानियाँ थीं अथवाशिक्षा और व्यवसाय के शिक्षा केन्द्र। भारतीय भू-भौगोलिक स्थिति को ठीक-ठाक समझने के लिए यहाँ के पर्वत-समूहों और नदी समूहों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है। प्राचीन काल में यह देश नदियों, वनों और पर्वतों से भरा पूरा था। पर आज स्थिति

कुछ दूसरी है। आज अधिकाँश नदियों का जल प्रदूषित है। बढ़ती आबादी के कारण वनों को काटा जा रहा है। जल प्रदूषण से हैजा, पीलिया, टाइफाइड जैसी बीमारियाँ फैल रही हैं। इससे मछलियों और कृषि उपज को भी नुकसान हो रहा है। मानव बस्तियों और उद्योगों का गन्दा पानी जब नदियों के प्रवाह में मिल जाता है तो उपयोग के योग्य नहीं रहता है। भारत की 80 प्रतिशत जनसंख्या नदियों के घाटी क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रदेशों के कृषि, वन तथा सिंचाई विभागों को मिलाकर एक कर दिया जाए। हर क्षेत्र में जलागम क्षेत्र अधिकतर बनाए जाएं। क्योंकि वनों को नदियों से अलग नहीं किया जा सकता है। वन न केवल नदियों को उथली होने से बचाते हैं बल्कि भूमिगत जल को भी सुरक्षित रखते हैं। पानी की कमी को भी पूरा करते हैं। आज चौड़ी पत्ती वाले वृक्षों के वन नष्ट हो गए हैं। जहाँ- जहाँ भी दुर्लभ जाति के पशु-पक्षी और वनस्पतियाँ मिलती हैं वे सब पहाड़ी क्षेत्र हैं। बढ़ती आबादी के कारण इनका नाश रोकना सम्भव नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि वन विभाग इन वनों में उगने वाली वनस्पतियों के विनाश को रोकने पर ध्यान दे। देशी पौधों की बात करना तथा इनकी पहचान में घूमना अब पागलपन में गिना जाने लगा है। अनेक उपयोगी तथा प्राचीन वृक्षों के नाम अब केवल वनस्पति शास्त्र की किताबों में अपने वैज्ञानिक नामों से जाने जाते हैं। आज प्रत्येक भारतीय कर्तव्य है कि वह अपनी जमीन को पहचानें, वनस्पतियों की रक्षा करें और नदियों में स्वच्छ जल प्रवाहित होने दें।

(i) भारत के किन प्राचीन ग्रन्थों में नदियों से सम्बन्धित सामग्री मिलती है ?

(ii) भारत को नदियों का देश क्यों कहा गया है ?

(iii) नदियों के कौन-कौन से समूह हैं ?

(iv) वनों और नदियों का क्या संबंध है ?

(v) भारत की भू-भौगोलिक स्थिति को ठीक-ठाक से समझने के लिए क्या आवश्यक है ?

(vi) जल प्रदूषण से कौन-कौन सी बीमारियां फैल रही हैं ?

(vii) आज प्रदेशों के जलाशय क्षेत्र अधिकतर बनाए जाने की आवश्यकता क्यों है ?

(viii) वनों का नदियों और भूमिगत जल के संदर्भ में क्या महत्व है ?

(ix) लेखक के अनुसार प्रत्येक भारतीय का क्या कर्त्तव्य है ?

(x) प्राचीन का विलोम शब्द लिखें।

(xi) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें।

2020 Series (B)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें :

भारत किसानों का देश है। किसान धरती के बेटे हैं। यहाँ 12 किसान जीएगा तो सब कुछ ठीक है. किसान बर्बाद हो गया तो सब कुछ बैटाचार समझिए। एक जगह पते की बात कही गई है "राजा एक रहे या दूसरा आए कुछ विशेष अंतर नहीं पड़ता, लेकिन किन का नाश हुआ तो अनर्थ समझिए"। किसान का जीवन बनाने में ही भारत का सर्वोदय है। भारत का किसान देखभाल कर चलने वाला है। वह सदियों से अपना काम चतुराई से करता आ रहा है। वह परिश्रमी है। खेत में जब उतरता है तो कड़ी धूप में भी सिर पर चादर रखकर वह डटा रहता है। वह स्वभाव से मितव्ययी है। उसे
बुद्ध या पुराणपंथी कहना अपनी आँखों का अंधापन है। भारतीय किसान को उसकी भाषा में जब कोई अच्छी बात बताई जाती है, तब वह उसे चाव से सीखता है और अपनाने की कोशिश करता है। भारतीय किसान शरीर से सुदृढ़ और मन से क्षमाशील है। संतोष और परिश्रम में भारतीय किसान संसार में सबसे ऊपर है। उसके सद्गुणों की प्रशंसा करनी चाहिए। फैंस के छप्परों के घरों में रहना दोष नहीं है। किसान ने जान-बूझकर ऐसे घर चुने हैं। वह अपने घर को बाँस और बल्लियों के ठाठ से, अपने ही जंगल की घास और अपने ही ताल की मिट्टी से बनाई हुई कच्ची ईंटों से बनाता है। इसमें एक बड़ा लाभ यह है कि किसान बाहरी जगत का मुँह नहीं ताकता। वह अपने ही क्षेत्र में स्वावलम्बी बन जाता है। आत्मनिर्भरता भारतीय किसान के जीवन की कुंजी है। उसकी खेती के औज़ार हल, फावड़ा, कुदाल, हंसिया उसके यहाँ ही तैयार होते है। गाँव की जानी-पहचानी कारीगरी किसान को आत्मनिर्भर बनाती है। भारतीय खेती की पुरानी पद्धति में सैकड़ों तरह का शिल्प किसान के हाथ में रहता है। पचासों तरह की रस्सियों वह अपने हाथों से बनाता है। बोझ ढोने की अपनी गाड़ी को गाँव के लोहार और बढ़ई की मदद से वह स्वयं कस कर तैयार करता है। ईख बोने से पेरने और गुड-खांड बनाने तक की सारी प्रक्रिया किसान की उँगलियों के पोरों में बसती है।
मेल-जोल किसान को बाँधने वाली मजबूत रस्सी है। उसमें मिलकर जीवन चलाने का अद्भुत गुण है। खेती के गाढ़े समय में जब काम का बोझ रहता है, तब किसान खुले मन से एक-दूसरे का हाथ बंटाते हैं। शादी-ब्याह, जश, जेबनार के समय किस तरह सारा गाँव एकसूत्र में बंध जाता है। यह देखने योग्य होता है। सारे गाँव की चक्कियाँ एक परिवार की सेवा में लग जाती हैं और इस प्रकार पारिवारिक साँझेदारी से चटपट सारा काम हो जाता है। सहकारिता की भित्ति पर बनी जीवन पद्धति गाँव में पहले से ही चली आ रही है। भारतीय किसान कथा-वार्ता का प्रेमी रहा है। उसे अपने पूर्वजों के चरित्रों में रुचि है। लाखों ग्राम-गीत, हजारों कहानियाँ, कहावतें और ऋतु-प्रकृति की बातें किसान के कंठ में बसती हैं। जाड़ों की सुखद धूप और गर्मी की ठंडी रात में तथा बसंत की फगुवा बयार में किसान का रोम-रोम नृत्य और गीत के लिए फड़कने लगता है किसान की जीवन रक्षा करनी हो तो लोक नृत्य और संगीत के बचाना होगा। किसान के जीवन के लिए यह नृत्य और गीत अमृत का काम करेंगे।

(i) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) भारत देश कैसा है ?

(iii) भारतीय किसान के कोई दो गुण लिखिए ।

(iv) कच्ची मिट्टी और फैंस के बने घरों में रहने से किसान को क्या लाभ है ?

(v) किसान कब किसी बात को चाव से सीखता है ?

(vi) भारत का सर्वोदय किसमें है ?
(vii) सारा गाँव कब एक सूत्र में बंध जाता है ?
(viii) भारतीय किसान शरीर और मन से कैसा है ?
(ix) किसान खुले मन से एक-दूसरे का हाथ कब बंटाते हैं ?
(x) भारतीय किसान की किन दो बातों में बहुत रुचि है ?
(xi) प्राचीन समय से गाँव में कैसी जीवन पद्धति चली आ रही है ?
(xii) किसान की जीवन रक्षा के लिए किन दो बातों की रक्षा करनी चाहिए ?

2020 Series (C)

खण्ड-क (साहित्यिक एवं वर्णनात्मक गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में दिए गए किन्हीं दस प्रश्नो के उत्तर दें :

कवि शायरों तथा आम आदमी को सम्मोहित करने वाला 'पलाश' आज संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि आ पलाश का विनाश जारी रहा तो यह 'ढाक के तीन पात कहावत में ही बचेगा। अरावली और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओ जब पलाश वृक्ष चैत 'वसंत' में फूलता था तो लगता था कि वन। आग लग गई हो अथवा अग्नि देव फूलों के रूप में खिल उठे हो पलाश पर एक या दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में दोना-पत्तल बनाने वालों, कारखाने बढ़ने, गाँव-गाँव में चकबन्दी होने तथा वन माफियाओं द्वारा अंधाधुंध कटान कराने के कारण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रांतों में पलाश के वन घटकर दस प्रतिशत से भी कम रह गए हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश के वनों को बचाने के लिए ऊतक संवर्द्धन (टिशू कल्चर) द्वारा परखनली में पलाश के पौयों को विकसित कर एक अभियान चलाकर पलाश के वन रौंपने की योजना प्रस्तुत की है। हरियाणा तथा पुणे में दो प्रयोगशालाएँ भी खोली हैं। एक समय था बंगाल का पलाशी का मैदान, अरावली की पर्वतमालाएं टेसू के फूलों के लिए दुनिया में मशहूर थीं। विदेशों से लोग रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। ब्रज, अवधी, बुंदेलखण्डी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी लोकगीतों में पलाश के गुण पाए गए हैं। कबीर ने तो 'खांखर भया पलाश' कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुन्दर सजीले नवयुवक से की है, जो अपनी जवानी में सबको आकर्षित कर लेता है, किन्तु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है। वसंत व ग्रीष्म ऋतु में जब टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते रहते हैं, उसे सभी निहारते हैं, किंतु शेष आठ महीने वह पतझड़ का शिकार हो कर झाड़-झंखाड़ की तरह रह जाता है। पर्यावरण के लिए प्लास्टिक-पॉलिथीन की थैलियों पर रोक लगने के बाद पलाश की उपयोगिता महसूस की गई, जिसके पत्ते-दोनों, पत्तल, थाली, गिलास सहित न जाने कितने कामों में उपयोग आ सकते हैं। पिछले तीस-चालीस साल में नब्बे प्रतिशत वन नष्ट कर डाले गए। बिन पानी के बंजर, ऊसर तक में उग आने वाले इस पेड़ की नई पीढ़ी तैयार नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही और समाज जागरूक न हुआ तो पलाश विलुप्त वृक्ष हो जाएगा।

(i) उपरोक्त अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) अरावली और सतपुड़ा में पलाश के वृक्ष कैसे लगते हैं ?
(iii) पलाश के वृक्ष कम क्यों रह गए हैं ?
(iv) किन लोकगीतों में पलाश का वर्णन किया गया है ?
(v) पलाश के वृक्षों को बचाने के लिए क्या किया जा रहा है ?
(vi) पलाश की उपयोगिता कब अनुभव की गई ?
(vii) वैज्ञानिकों ने क्या चेतावनी दी ?
(viii) पलाश पर अधिक संकट कब से आया ?
(ix) पलाश के वन घटकर कितने रह गए हैं ?
(x) यदि यही स्थिति रही तो पलाश का क्या होगा ?
(xi) पलाश किन स्थितियों में उग सकता है ?
(xii) पलाश वृक्ष संकट में क्यों हैं ?

अपठित गद्यांश 2022 सीरीज (A) 5 अंक

खण्ड-क (अपठित गद्यांश)

1.निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5x1=5

विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का श्रेष्ठतम आश्रम है। यह समय मानव की सर्वांगीण उन्नति करने का समय है। छात्र जीवन में ही बालक का मानसिक, शारीरिक, चारित्रिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। इस दिशा में माता-पिता, शिक्षक और समाज का यह कर्तव्य हो जाता है कि बालकों के लिए छात्र जीवन में ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करें, जिससे उसका चहुँमुखी विकास अच्छी प्रकार से हो सके। यदि मकान की नींव सुदृढ़ होगी तो उस पर बना मकान भी सुन्दर व टिकाऊ होगा।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :
(अ) चरित्र निर्माण (ब) विद्यार्थी जीवन का महत्व (स) उन्नति (द) बहुमुखी विकास

(ii) मानव की सर्वांगीण उन्नति का समय है :
(अ) गृहस्थ जीवन (ब) वानप्रस्थ जीवन (स) विद्यार्थी जीवन (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iii) विद्यार्थी जीवन में विकास होता है :
(अ) शारीरिक (ब) मानसिक (स) चारित्रिक (द) शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक

(iv) चहुँमुखी विकास के लिए योगदान होता है :

(अ) पुस्तकों का (ब) खान-पान का (स) मित्रों का (द) माता-पिता, शिक्षक तथा समाज का

(v) 'विद्यार्थी जीवन' श्रेष्ठ मानव निर्माण के लिए :

(अ) दीवारों की तरह है (ब) नींव की तरह है (स) छत की तरह है (द) इनमें से कोई नहीं

2022 सीरीज (B)

खण्ड-क (अपठित गद्यांश)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5×1=5

1. शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा, जो मनुष्य को पाठ्य-पुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गम्भीर चिंतन न दे व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती तो उससे क्या लाभ? सहृदय, सच्चरित्र परन्तु अनपढ़ मजदूर उस स्नातक से। कहीं अच्छा है जो निर्दय और चरित्रहीन है। संसार के सभी वैभव तथा सुख-साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बनाते जब तक मनुष्य को आत्मिक ज्ञान न हो, हमारे कुछ अधिकार और उत्तरदायित्व भी हैं। शिक्षित व्यक्ति को उत्तरदायित्वों का भी उतना ही ध्यान रखना चाहिए जितना कि अधिकारों का।

(i) शिक्षा मनुष्य को सिखाती है :

(अ) पढ़ना-लिखना (ब) परीक्षा पास करना (स) मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना (द) निर्दयता

(ii) शिक्षा व्यर्थ हो जाती है जब वह :

(अ) विद्यार्थी फेल हो जाए (ब) अच्छा इंसान न बनाए (स) अधिकार को न समझे (द) उपरोक्त सभी

(iii) गद्यांश का उचित शीर्षक है :

(अ) शिक्षा का महत्व (ब) पढ़ा-लिखा व्यक्ति (स) चरित्रहीन व्यक्ति (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) मनुष्य आत्मिक ज्ञान से प्राप्त करता है :

(अ) नौकरी (ब) संसार के सभी वैभव और सुख-साधन (स) अधिकार (द) शिक्षा

(v) निर्दयी स्नातक से अच्छा है :

(अ) सहृदय, सच्चरित्र, अनपढ़, मजदूर (ब) नौकरी-पेशे वाला

(स) पुस्तक ज्ञान रखने वाला (द)उपरोक्त में से कोईनहीं

2022 सीरीज(C)

खण्ड-क (अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5×1=5 पर्यावरण दिवस पाँच जून को प्रति वर्ष सारे संसार में मनाया जाता है। इसे मनाने का उद्देश्य यह है कि जन साधारण पर्यावरण के असंतुलन के प्रति जागरूक हो सके। सन् 1972 में स्टॉकहोम में 'मानव पर्यावरण-सम्मेलन' में हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। पर्यावरण से तात्पर्य हमारे पास-पड़ोस से है, जिसका सीधा प्रभाव हमारे भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास पर पड़ता है। पृथ्वी, जल, वायु और आकाश तथा इसमें रहने वाले थलचर, जलचर एवं नभचर, वनस्पति तथा मानव सभी पर्यावरण के अंग हैं।

(i)उपरोक्त गद्यांश का शीर्षक है :

(अ) वनस्पति व मानव (ब) पास-पड़ोस (स) पर्यावरण दिवस (द) आध्यात्मिक विकास

(ii) पर्यावरण दिवस मनाया जाता है :

(अ) 15 अगस्त (ब) 5 जून (स) 5 सितम्बर (द) 26 जनवरी

(iii) 'मानव पर्यावरण सम्मेलन' कब मनाया गया ?

(अ) 1947 को (ब) 1950 को (स) 1962 को (द) 1972 को

(iv) 'मानव पर्यावरण सम्मेलन' कहाँ मनाया गया ?

(अ) स्टॉकहोम में (ब) देहरादून में (स) शिमला में (द) चण्डीगढ़ में

(v) पर्यावरण का तात्पर्य है :

(अ) केवल पेड़-पौधे (ब) केवल जीव-जन्तु

(स) केवल हवा-पानी (द) पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, वनस्पति, मानव तथा समस्त जीव-जगत

2023 Series (A)

खण्ड-क (अपठित गद्यांश)

1- निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

किसी ने सच ही कहा है कि किसी काम को करना अथवा किसी काम को सलीके से करना, दोनों अलग-अलग बात हैं। व्यावहारिक जीवन में यह बात पूरी तरह लागू होती है। ऑफिस में काम करते हुए जो कई बार ऐसे वाक्य पेश आते हैं, जब हम अपने वाक्चातुर्य और प्रस्तुति से बड़ी से बड़ी मुश्किल का भी सामना कर लेते हैं। ऐसे में सामने वाले के साथ सलीके से पेश आना, आज की बड़ी जरूरत बन चुकी है। एक ही ऑफिस में कोई कर्मचारी अपने वाक् कौशल और सौम्यता से हर किसी का चहेता बनता है, तो कोई दूसरा प्रस्तुति के मामले में प्रभावहीन साबित होता है। मुद्दा अपने को सलीके से पेश करने का है। ग्लोबलाइजेशन के आज के

दौर में अपने को सलीके से पेश करन बेहद जरुरी हो गया है। आखिरकार बात देश की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई है। वैसे तो कार्य करने का हर स्थान के हिसाब से अपने एटीकेट्स होते हैं। लेकिन सेवा कार्यसे जुड़े क्षेत्रों में इन्हें सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। यही नहीं व्यक्ति के शालीन व्यवहार के आधार पर संस्थान विशेष का मूल्यांकन भी किया जाता है। कुल मिलाकर आम जिंदगी में काम करने वाले मूल सिद्धान्त यहां पर भी कहीं न कहीं काम करते हैं।

(क) इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए:

(a) काम करने का सलीका (b) व्यावहारिक जीवन (c) शालीन व्यवहार (d) मूल सिद्धान्त।

(ख) शालीन व्यवहार जीवन में किस लिए महत्त्वपूर्ण है?

(a) हर किसी का चहेता बनने के लिए (b) जीवन को सार्थक बनाने के लिए

(c) काम को सलीके से करने के लिए (d) संस्थान की तरक्की के लिए।

(ग) आज की बड़ी जरुरत क्या है?

(a) सलीके से पेश आना (b) चापलूसी करना (c) हर किसी का चहेता बनना (d) सेवा कार्य से जुड़ना।

(घ) 'एटीकेट्स' क्या होते हैं?

(a) सलीके से पेश आना (b) चापलूसी (c) सौम्यता (d) सेवा कार्य से जुड़े रहना।

(ङ) आज का दौर कैसा है?

(a) वाक्चातुर्य का (b) चापलूसी का (c) सौम्यता का (d) ग्लोबलाइजेशन का।

2023 Series B(अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं- सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूधवाला, नगर-निगम का सफाई कर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग। शिक्षा, वेतन, परम्परागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है, किन्तु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करता है, तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव ओर कार्यप्रणाली में पारदर्शिता। इस सन्दर्भ में गाँधी जी से उत्कृष्ट उदाहरण और किसका दिया जा सकता है,जिन्होंने अपने हर कार्य को गरिमामय मानते हुए किया। वे अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा की सीख दिया करते थे।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक निम्न में से चुनिए:

(a) कार्य के प्रति समर्पण (b) कार्य के प्रति ढिलाई बरतना

(c) कार्य के प्रति हीन भावना (d) श्रम न करना।

(ख) वास्तव में पद महत्वपूर्ण होता है या कार्य:

(a) पद (b) कार्य (c) कोई नहीं (d) ईमानदारी से किया गया कार्य।

(ग) एक माली अथवा सफाईकर्मी का कार्य किसी सचिव के कार्य से बेहतर कैसे माना जाता है?

(a) ढिलाई बरतते हुए (b) उत्तरदायित्व न निभाते हुए

(c) कुशलतापूर्वक और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) आप किस सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं जो-

(a) उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता (b) उत्तरदायित्वों का निर्वाह करता है

(c) कुशलतापूर्वक और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करता है (d) इनमें से कोई नहीं।

(ङ) अपने सहयोगियों को श्रम की गरिमा सिखाते थे:

(a) अध्यापक (b) सचिव (c) महात्मा गाँधी (d) इनमें से कोई नहीं।

खण्ड-क

2023 Series (C) अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

चरित्र ही एक ऐसा साधन है, जिसकी सहायता से मनुष्य अपनी सभी प्रकार की उन्नति कर सकता है। चरित्र को सुधार कर मंनुष्य केवल अपनी ही उन्नति नहीं करता, वरन् अपने समाज और अपने देश के गौरव को भी ऊँचा उठाता है। वह समाज और देश धन्य है, जिसमें चरित्रवान् नागरिकों की संख्या अधिक है। आज हमारे देश के प्रत्येक नागरिक को इस बात पर गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि उसका इसमें कितना सहयोग है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक निम्न में से चुनिए:

(a) समाज (b) समाज और देश (c) चरित्र का महत्व (d) मनुष्य।

(ख) मनुष्य किस प्रकार अपनी सर्वांगीण उन्नति कर सकता है-

(a) अच्छे चरित्र के कारण (b) बुरे चरित्र के कारण (c) पैसे के कारण (d) बलशाली होने के कारण।

(ग) कौन सा देश गौरवशाली होता है? जिस देश में रहने वाले लोग-

(a) शिक्षित हों (b) अधिक पैसे वाले हों (c) अधिक ताकतवर हों (d) चरित्रवान हों।

(घ) कौन-सा समाज और देश धन्य है?

(a) जिसमें चरित्रवान नागरिक अधिक हों (b) जिसमें चरित्रवान नागरिक कम हों

(c) जिसमें चरित्रवान नागरिक नं हों (d) इनमें से कोई नहीं।

(ङ) चरित्र को सुधारकर मनुष्य किसकी उन्नति करता है?

(a) पूरे समाज और देश (b) अपनी (c) गरीब का (d) अमीर की।

काव्यांश 2016A

बादल, गरजो- घेर घेर घोर गगन धाराधर ओ ललित ललित, काले घुँघराले, बाल कल्पना के-से पाले, विद्युत-छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले। बज्र छिपा नूतन कविता फिर भर दो : बादल, गरजो

(क) कविता में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने किसका आह्वान किया है और क्यों ?

(ग) बादलों को किसके समान सुन्दर माना गया है ?

(घ) बादलों के हृदय में किस प्रकार की शोबा छिपी हुई ?

काव्यांश2016 B

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ।

का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें। छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।

बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाव न मोरा।

बालकु बोलि बधौं नहि तोहि । केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।।

बाल ब्रह्मचारी अति कोही । विस्वविदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।

(क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) लक्ष्मण सभी धनुषों को कैसे मानते थे ?

(ग) लक्ष्मण के अनुसार धनुष तोड़ने में राम का कोई दोष क्यों नहीं था ?

(घ) राम ने धनुष को किस धोखे से छू लिया था ?

काव्याँश 2016 series C

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारें हरि हारिल की लकरी। मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी। सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी । सु तो व्याधि हम कौं लै आए, देखी सुनी न करी। यह तो 'सुर' तिनहिं लै सौंपो, जिन के मन चकरी ।

(क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) गोपियों ने श्रीकृष्ण को हारिल के समान क्यों माना है ?

(ग) गोपियाँ कब-कब श्रीकृष्ण को रटती थीं ?

(घ) गोपियों की दृष्टि में 'व्याधि' क्या थी और उसे किसे देने की सलाह दी थी ?

काव्यांश 2017 A

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी। अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी । पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।। ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी। प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी। 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

(क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'अति बड़भागी' में निहित व्यंग्य-भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ग) गोपियों ने स्वयं को 'भोरी' क्यों कहा है ?

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान मृतक में भी डाल देगी जान धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात..... छोड़कर तालाब मेरी झोंपडी में खिल रहे जलजात परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल ?

(क) अवतरण में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'दंतुरित मुस्कान' किसकी है ?

(ग) 'बांस था कि बबूल' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

काव्यांश 2017 B

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ॥ आयसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ॥ सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरि करनी करि करिअ लराई ॥ सुनहु राम जेहिं शिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ॥

सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ॥

(क) उपरोक्त पद में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) परशुराम ने क्या धमकी दी थी ?

(ग) परशुराम का स्वभाव कैसा था ?

कविता के काव्याँश 2018 Series (A) अंक 6

10. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×3=6

मन की मन ही माँझ रही। कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही। अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही। अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।

चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही। 'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही।

(क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) गोपियों की कौन-सी मन की बात मन में ही रह गई ?

(ग) गोपियाँ अब किस के पास जाने का साहस नहीं कर सकती ? क्यों ?

अथवा

यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज मैं न सकता देख मैं न पाता जान तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य ! चिर प्रवासी मैं इतर मैं अन्य ! इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क

(क) अवतरण में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) बच्चे की दंतुरित मुस्कान और कवि के बीच माध्यम कौन बना था ?

(ग) कवि ने किसे किसे धन्य माना और क्यों ?

Series (B)

खण्ड-घ

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×3=6

(क) पद में निहित भाव स्वष्ट कीजिए।

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम से क्या कहा ?

(ग) परशुराम के सिर पर किस का ऋण शेष था ?

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँक कर अपने चेहरे पर मत रीझना आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं वस्त्र आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह बंधन है स्त्री जीवन के।

(क) अवतरण में निहित भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने 'आग' और 'पानी' का क्या प्रतीक स्पष्ट किया है ?

(ग) वस्त्र और आभूषण नारी जीवन में क्या हैं ?

Series (C)

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×3=6

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई। साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुसै बनमाल सुहाई। माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई। जै जग-मंदिर-दीप सुंदर, श्री ब्रजदूलह 'देव' सहाई ।।

(क) पद में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) श्री कृष्ण की आँखों की सुंदरता को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कवि को उनके चेहरे पर मुस्कान किस प्रकार की प्रतीत हो रही है ?

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी। वह मुख्य गायक का छोटा भाई है या उसका शिष्य या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार मुख्य गायक की गरज़ में वह अपनी गूंज मिलाता आया है प्राचीन काल से।

(क) मुख्य गायक के साथ स्वर कौन साधता है?

(ख) संगतकार का स्वर कैसा है?

(ग) 'पैदल चलकर' किस भाव की ओर संकेत करता है?

काव्याँश 2019 Series (A)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन विश्व के निदाघ के सकल जन,आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !

तप्त धरा, जल से फिर शीतल कर दो :बादल गरजो।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) पूरी धरती के लोग किस कारण व्याकुल और बेचैन हो रहे थे ?

(ग) बादल किधर से आकर आकाश में छा जाते हैं ?

(घ) कवि बादलों से बरस कर क्या करने को कहता है ?

अथवा

सुनि मुनिवचन लखन मुसुकाने। बोले परसु धरहि अवमाने ।। बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाई ।। येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाई कह भृगुकुल केतू ।। रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न संभार। धनुही सम त्रिपुरारिधनु विदित सकल संसार ।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) लक्ष्मण ने शिवधनुष को क्या कहा था ?

(ग) लक्ष्मण की किस बात को सुनकर परशुराम को अधिक क्रोध आया था ?

(घ) परशराम के अनसार लक्ष्मण किसके बस में होकर बोल रहा था ?

काव्यांश 2019 सीरीज (B)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल ?

तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?

देखते ही रहोगे अनिमेष !

थक गए हो ?

आँखें लूं मैं फेर ?

क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार ?

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) बच्चे के शरीर के स्पर्श मात्र से क्या झड़ने लगा था ?

(ग) 'बाँस था कि बबूल' का प्रतीकात्मक स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि को कौन नहीं पहचान पाया था ?

अथवा

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) 'अति बड़भागी' में निहित व्यंग्य-भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ग) गोपियों ने किस के प्रति अपनी अनन्यता प्रकट की है ?

(घ) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?

काव्याँश Series (C)2019

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

छोटे से अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?

सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्मकथा ?

अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि ने अपने जीवन को कैसा माना है ?

(ग) कवि के जीवन में बड़ी-बड़ी कथाएँ क्यों नहीं थीं ?

(घ) कवि की मौन-व्यथा हृदय में क्या कर रही थी ?

अथवा

फटिक सिलानि सौं सुधाौ सुधा मंदिर, उदधि दधि को सो अधिकाई उमगे अमंद

बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव' दूध को सो फेन फैल्यो आंगन फरसबंद तारा-सी तरुनि तामें ठाढ़ी झिलमिली होति मोतिन की जोति मिल्योमल्लिका को मकरंद

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि की कल्पना में सुधा मन्दिर की रचना किस से की गई है ?

(ग) भवन में किसकी तरंगों का अपार आनंद उमड़ रहा है ?

(घ) भवन में बाहर से भीतर तक दीवारें क्यों नहीं दिखाई देतीं ?

काव्यांश 2020 Series,(A)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्त लिखिए :

उधौ, तुम हो अति बड़भागी। अपरस रहत स्नेह तगा तै, नाहिन मन अनुरागी। पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी। ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी। प्रीति नदी मैं पाँऊ न बोरयौ दृष्टि न रूप परागी। 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) गोपियों ने स्वयं को क्या कहा है ?

(ग) गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना किससे की है ?

(घ) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ?

अथवा

कितना प्रामाणिक था उसका दुख लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी कि उसे सुख का अभास तो होता था

प्रश्नों के उत्तर

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) अंतिम पूँजी कौन थी और क्यों ?

(ग) विवाह के समय लड़की कैसी थी ?

(घ) माँ के दुख को कवि ने क्या माना है ?

काव्यांश 2020 Series (B)

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें :

छाया मत छूना मन, होगा दुःख दूना जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी ; तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) 'छाया मत छूना' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) जीवन में किसकी मोहक यादें फैली हैं ?

(घ) यामिनी बीतने का क्या अर्थ है ?

अथवा

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।। आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।। सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई ।। सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।। सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ।। सुनि मुनिबचन लखन मुस्काने। बाले परसुधरहि अवमाने ।। बहु धनुही तोरि लरिकाई। कबहु न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।। येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह मृगुकुलकेतू ।। रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार। धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार ।।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) परशुराम का स्वभाव कैसा था ?

(ग) लक्ष्मण ने शिव धनुष को क्या कहा था ?

(घ) परशुराम ने क्या धमकी दी थी ?

काव्यांश 2020(C) 6 अंक

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (कोई तीन) :

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाई कौन पै उधौ, नाहीं परत कही।
अवधि, अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग संदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनी बिरह दही।

चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही ।।
(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।
(ख) 'मरजादा न लही' से क्या तात्पर्य है ?
(ग) गोपियाँ किसे गुहार लगाना चाहती थीं ?
(घ) गोपियों की कौन-सी मन की बात मन में ही रह गई थी ?

अथवा

यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज मैं न सकता देख मैं न सकता जान तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य। चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य। इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क उंगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क देखते तुम इधर कनखी मार और होतीं जबकि आँखे चार तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान ।
(क) कवि और कविता का नाम लिखो।
(ख) बच्चे की दंतुरित मुस्कान और कवि के बीच माध्यम कौन बना था ?
(ग) कवि ने किसे धन्य माना और क्यों?
(घ) कवि ने स्वयं को क्या माना है?

काव्यांश 2021 series (A)
निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : 5x1=5
हमारैं हरि हारिल की लकरी ।
मन क्रम वचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी। सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करुई ककरी।
सु तौ व्याधि हमकों लै आए, देखी सुनी न करी। यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपी, जिनके मन चकरी।
(क) कवि और कविता का नाम लिखें।
(ख) गोपियों ने स्वयं को हारिल के समान क्यों माना है?
(ग) गोपियाँ कब-कब श्री कृष्ण को रटती थीं?
(घ) गोपियों की दृष्टि में 'व्याधि' क्या थी?
(ड.) गोपियों के अनुसार योग संबंधी बातें कौन स्वीकार क सकते हैं?

(अथवा)

तुम्हारी यह दन्तुरित मुसकान मृतक में भी डाल देगी जान धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात..... छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघल कर जल बन गया होगा कठिन पाषाण छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल ?
(क) कवि और कविता का नाम लिखें।
(ख) 'दन्तुरित मुसकान' किसकी है?
(ग) बच्चे का शरीर किससे भरा हुआ है?
(घ) शिशु के धूल सने शरीर को देखकर कवि को ब प्रतीत होता है?
(ड.) बाँस और बबूल किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं?

काव्यांश 2021 series (B)
निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : 5x1=5
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।
सो बिलगाउ बिहाई समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ।।
सुनि मुनिवचन लखन मुसुकाने। बोले परसु धरहि अवमाने ।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतु। सुनि रिसाई कह भृगुकुलकेतु ।।
रे नृप बालक कालबस बोलत तोहि न सँभार। धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार ।।
(क) कविता व कवि का नाम लिखें।
(ख) शिव धनुष को तोड़ने वाले को परशुराम ने कैसा शत्रु माना था?
(ग) परशुराम ने क्या धमकी दी थी?
(घ) लक्ष्मण ने शिव धनुष को क्या कहा था?
(ड) परशुराम के अनुसार लक्ष्मण किस के वश में होकर बोल रहा था?

(अथवा)

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य! चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य ! इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क देखत तुम इधर कनखी मार और होतीं जब कि आँखें चार तब तुम्हारी दन्तुरित मुसकान मुझे लगती बड़ी ही छविमान ।

(क) कवि और कविता का नाम लिखें।

(ख) कवि ने 'धन्य तुम' किसे कहा है?

(ग) मधुपर्क से कवि का क्या तात्पर्य है?

(घ) छोटे बच्चे की मुसकान कवि को कैसी लगती है?

(ङ) कविता में चिर प्रवासी किसे कहा गया है?

काव्याँश 2021 Series (C)

(पठित काव्यांश)

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :5x1=5

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी। अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी। ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बून्द न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी। 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।

(क) कवि और कविता का नाम लिखें।

(ख) गोपियों ने किसके प्रति अपनी अनन्यता प्रकट की है?

(ग) गोपियाँ उद्धव को बड़भागी क्यों कहती हैं? क्या वे वास्तव में बड़भागी हैं?

(घ) गोपियाँ स्वयं को कैसी बताती हैं?

(ङ) 'गुर-चाँटी' ज्यों पागी' के माध्यम से श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के प्रेम को प्रतिपादित कीजिए।

(अथवा)

विहसि लखनु बोले. मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी ।। पुनि-पुनि मोहिं दिखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पंहारू ।। इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहिं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।। देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।। भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।। सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्हपर न सुराई ।। बधैं पापु अपकीरति हारें। मारतू पा परिअ तुम्हारें ।। कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ।।

(क) कविता और कवि का नाम लिखें।

(ख) परशुराम बार-बार अपना कुल्हाड़ा किसे दिखा रहे थे?

(ग) लक्ष्मण ने परशुराम से अभिमानपूर्वक बातें क्यों की थीं?

(घ) रघुकुल के लोग किन पर दया करते हैं?

(ङ) सूर्यवंशी जिन पर दया करते थे उन्हें क्यों नहीं मारना चाहते थे?

काव्याँश 2022 Series (A)

निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक पद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

कितना प्रामाणिक था उसका दुःख, लड़की को दान में देते वक्त, जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो। लड़की अभी सयानी नहीं थी, अभी इतनी भोली सरल थी कि उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दुःख बाँचना नहीं आता था। पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की, कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की।

(क) माँ के दुःख को कवि ने क्या माना है?

(ख) अंतिम पूँजी कौन थी और क्यों थी ?

(ग) लड़की को किसका आभास हो जाता था ?

(घ) पाठिका किसे कहा गया है?

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

अथवा

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो चुका होता है या अपने ही सरगम को लाँघकर चला जाता है, भटकता हुआ एक अनहद में, तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है। जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान, जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन, जब वह नौसिखिया था।

(क) मुख्य गायक कहाँ खो चुका था ?

(ख) 'अनहद' क्या है?

(ग) संगतकार ने मुख्य गायक के किस रूप को याद दिलाया ?

(घ)'जटिल' शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ।

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

काव्याँश 2022 Series (B)

निम्नलिखित पद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक पद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

माँ ने कहा पानी में झाँककर, अपने चेहरे पर मत रीझना आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं, वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह, बंधन हैं स्त्री जीवन के, माँ ने कहा लड़की होना, पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) कवि ने 'आग' और 'पानी' का क्या प्रतीक स्पष्ट किया है?

(ख) वस्त्र और आभूषण नारी-जीवन में क्या है?

(ग) माँ ने अपनी लड़की को क्या समझाया ?

(घ) 'आभूषण' शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ।

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती, वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी, वह मुख्य गायक का छोटा भाई है या उसका शिष्य, या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार, मुख्य गायक की गरज़ में, वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से।

(क) मुख्य गायक के साथ स्वर कौन साधता है

(ख) 'संगतकार' का स्वर कैसा है?

(ग) 'संगतकार' मुख्य गायक का कौन हो सकता है?

(घ) 'पैदल चलकर' किस भाव की ओर संकेत करता है ?

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

काव्याँश 2022 Series (C)

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखें-

एक के नहीं, दो के नहीं, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू : एक के नहीं, दो के नहीं, लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा :

एक की नहीं, दो की नहीं, हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म : फसल क्या है? और तो कुछ नहीं है वह, नदियों के पानी का जादू है वह, हाथों के स्पर्श की महिमा है, भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है, रूपान्तर है सूरज की किरणों का, सिमटा हुआ संकोच है, हवा की थिरकन का !

(क) नदियों का पानी फसल के लिए क्या करता है?

(ख) फसल किन के स्पर्श की गरिमा है?

(ग) हवा फसल को क्या सिखाती है?

(घ) फसल किसका रूपान्तर है?

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

अथवा

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला, प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ, आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ, तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता, कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर, कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ ।

(क) तारसप्तक क्या है?

(ख) 'बैठने लगता है उसका गला' से क्या तात्पर्य है।

(ग) 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' अर्थ

(घ) मुख्य गायक को ढाँढ़स कौन बँधाता है?

(ङ) कवि और कविता का नाम लिखें।

काव्याँश 2023 Series (A)

निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दें : 5x1=5

खर कुठार मैं अकरुन कोही । आगे अपराधी गुरुद्रोही ।।

उतर देत छोड़ों बिनु मारे। केवल कौसिक सील तुम्हारे ।।

न त येहि काटि कुठार कठोरे गुरहि उरिन होतेऊँ श्रम थोरे गाधिसूनु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ। अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ ।।

(i) इस काव्याँश के कवि का नाम है :

(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास (स) जयशंकर प्रसाद (द) देव

(ii) परशुराम ने अपने किन गुणों को बताया ?

(अ) दयालु स्वभाव (ब) सरल स्वभाव (स) दया रहित और अत्यन्त क्रोधी स्वभाव क (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) परशुराम ने लक्ष्मण को क्या कहा ?

(अ) मित्र (ब) छोटा भाई (स) गुरुद्रोही (द) गुरभाई

(iv) परशुराम ने गुरु के ऋण से मुक्त होने की बात कही। उनके गुरु थे :

(अ) विश्वामित्र (ब) भगवान शिव (स) मुनि वशिष्ठ (द) रामचन्द्र

(v) विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बताया।

(अ) गन्ने का खाण्ड (ब) फौलाद के खाण्डे (स) साधारण मानव (द) इनमें से कोई नहीं

अथवा

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ? क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ? सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्मकथा ? अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

(i) कवि ने अपने जीवन को माना है :

(अ) छोटा-सा (ब) बहुत बड़ा (स) सुख-सुविधा वाला (द) इनमें से कोई नहीं

(ii) कवि ने अपनी कथा को कैसा माना है ?

(अ) जटिल व कठोर (ब) रस से भरी हुई (स) भोली और सीधी-सादी (द) दुःख भरी

(iii) कवि की मौन-व्यथा कहाँ छुपी थी ?

(अ) काव्य में। (ब) हृदय में थककर सोई थी। (स) लोगों के मन में। (द) उनकी प्रेयसी के मन में।

(iv) इस काव्याँश के कवि का नाम है :

(अ) देव (ब) सूरदास (स) जयशंकर प्रसाद (द) तुलसीदास

(v) कवि दूसरों की कथाएँ किस प्रकार सुनना चा

(अ) गा कर (ब) मौन रहकर (स) सबके सामने कहकर (द) इनमें से कोई नहीं

काव्याँश 2023 Series (A)

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो चुका होता है या अपने ही सरगम को लांघकर चला जाता है,

भटकता हुआ एक अनहद में,

2 तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है। जैसे समेटता हो मुख्य गायक को पीछे छूटा हुआ सामान, जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन, जब वह नौसिखिया था।.

(क) इस पद्यांश के लेखक हैं:

(a) मंगलेश डबराल (b) गिरिजा कुमार माथुर। (c) नागार्जुन (d) ऋतुराज।

(ख) 'अनहद' क्या है?

(a) संगतकार (b). गायक (c) बोली (d) विशेष ध्वनि ।

(ग) मुख्य गायक कहाँ खो गया था?

(a) संगीत के अलौकिक आनंद की धारा में (b) लड़की में (c) भक्तों में (d) ईश्वर में।

(घ) संगतकार ने मुख्य गायक के किस' रूप को याद दिलायाँ?

(a) दैवीय रूप को (b) सामान्य रूप को (c) कुरूप को (d) नौसिखिया रूप. को।

काव्याँश 2023 Series(B)

निम्नलिखित पठित काव्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दें

मन की मन ही मांझ रही

कहिए जाई कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।

अवधि अधार आस आवन की, तन मन विथा सही। अब इन जोग संदेसनि सुनि-सुनि, विरहिनि विरह दही। चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तें, उत तें थार वही।

'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही।

(i) इस काव्याँश के कवि का नाम है :

(अ) तुलसीदास (ब) देव (स) सूरदास (द) जयशंकर प्रसाद

(ii) गोपियों की कौन-सी बात मन में ही रह गई ?

(अ) श्री कृष्ण के साथ घूमने की (ब) माखन खिलाने की

(स) वियोग से उत्पन्न पीड़ा को श्री कृष्ण से कहने की (द), उपरोक्त सभी

(iii) गोपियां किससे गुहार लगाना चाहती थीं ?

(अ) उद्धव से (ब) सूरदास से (स) श्री कृष्ण से (द) सुदामा से

(iv) उद्धव कैसा संदेश लेकर आए थे ?

(अ) सगुण भक्ति का (ब) योग साधना का (स) कृष्ण के प्रेम व भक्ति का (द) इनमें से कोई नहीं

(v) 'मरजादा न लही' से तात्पर्य है :

(अ) माखन चुराने से (ब) श्री कृष्ण व गोपियों के प्रेम की मर्यादा

(स) राजा व प्रजा की मर्यादा (द) उपरोक्त सभी

काव्याँश 2023 Series (B)

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला, प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ, तभी मुख्य गायक को ढाँढस ब
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर, कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका

(क) इस पद्यांश के लेखक हैं:

(a) नागार्जुन (b) गिरिजा कुमार माथुर (c) मंगलेश डबराल (d) ऋतुराज।

(ख) तारसप्तक क्या है?

(a) संगतकार (b) गायक (c) सात शुद्ध स्वर (d) विशेष ध्वनि।

(ग) 'बैठने लगता है उसका गला' से तात्पर्यः

(a) संगीत की धारा (b) ठीक प्रकार से स्वर लहरी को प्रकट नहीं कर पाना
(c) तारसप्तक (d) ठीक प्रकार से स्वर लहरी को प्रकट कर पाना।

(घ) 'आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' से तात्पर्य ?

(a) बुझता हुआ स्वर (b) उठता हुआ स्वर (c) सात शुद्ध स्वर (d) संगीत ।

(ङ) कविता का नाम लिखिए:

(a) संगतकार (b) कन्यादान (c) छाया मत छूना (d) फसल।

काव्याँश 2023 Series (C)

निम्नलिखित पठित काव्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दें : 5x1=5

बहु धनुहि तोरीं लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतु। सुनि रिसाइ कह भृगु कुलकेतू ।।
रे नृप बालक काल बस बोलत तोहि न सँभार । धनुहि सम तिपुरारि धनु बिदित सकल संसार ।।

(i) परशुराम के अनुसार लक्ष्मण किसके वश में होकर बोल रहे हैं ?

(अ) राम के वश में (ब) विश्वामित्र के वश में (स) काल के वश में (द) राजा जनक के वश में

(ii) लक्ष्मण ने धनुही किसे कहा ?

(अ) बाण को (ब) परशुराम को (स) शिव धनुष को (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'भृगुकुल केतू' किसे कहा गया है ?

(अ) विश्वामित्र को (ब) राजा जनक को (स) परशुराम को (द) रामचन्द्र को

(iv) परशुराम के अनुसार पूरा संसार जानता है। किसे ?

(अ) शिव धनुष के बारे में (ब) उनके क्रोध के बारे में (स) स्वयंवर के बारे में (द) इनमें से कोई नहीं

(v) परशुराम के क्रोध का कारण था :

(अ) राजाओं का स्वयंवर में आना (ब) जनक राजा द्वारा उन्हें न बुलाना
(स) शिवधनुष का तोड़ा जाना (द) उपरोक्त सभी

काव्याँश 2023 Series (C)

निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर लिखिएः

एक के नहीं, दो के नहीं, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू एक के नहीं, दो के नहीं,लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमाः एक की नहीं, दो की नहीं, हजार-हजार खेतों की मिट्टी का गुण धर्मः फसल क्या है? और तो कुछ नहीं है वह, नदियों के पानी का जादू है वह, हाथों के स्पर्श की महिमा है, भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है, रूपान्तर है सूरज की किरणों का, सिमटा हुआ संकोच है,
हवा का थिरकन का।

(क) इस पद्यांश के लेखक हैं:

(a) गिरिजा कुमार माथुर (b) ऋतुराज (c) नागार्जुन (d) मंगलेश डबराल।

(ख) नंदियों का पानी फसल के लिए क्या करता है?

(a) जादू का काम (b) बाढ़ का काम (c) बर्बादी का काम (d) जोतने का काम।

(ग) फसल किनके स्पर्श की गरिमा है?

(a)' वीज के (b) बैलों के (c) लाखों-करोड़ों इंसानों के (d) हजारों-हजारों खेतों के।

(घ) किस की मिट्टी का गुण-धर्म फसल में विद्यमान है?

(a) हमारी (b) आपकी (c) लाखों-करोड़ों इंसानों की (d) हजारों-हजारों खेतों की।

(ङ) फसल अनाज के रूप में किस का रूपान्तर है?

(a) हवा (b) पानी (c) मिट्टी (d) सूर्य के प्रकाश का।

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती, वह आवाज सुंदर कमजोर कांपती हुई थी, वह मुख्य गायक का छोटा भाई है या उसका शिष्य, या पैदल चलकर सिखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार, मुख्य गायक की गरज में, वह अपनी गूंज मिलाता आया है प्राचीन काल से।

(क) इस पद्यांश के लेखक हैं:

(a) नागार्जुन (b) गिरिजा कुमार माथुर (c) मंगलेश डबराल (d) ऋतुराज।

(ख) मुख्य गायक के साथ स्वर कौन साधता है?

(a) संगतकार (b) लेखक (c) सात स्वर (d) ध्वनि ।

(ग) संगतकार का स्वर कैसा है?

(a) कम्पनी शील (b) सुंदर (c) कम्पन शील और सुन्दर (d) कमजोर।

(घ) 'संगतकार' मुख्य गायक का कौन हो सकता है?

(a) छोटा भाई (b) कोई शिष्य (c) कोई रिश्तेदार (d) उपरोक्त तीनों।

(ड) कंविता का नाम लिखिएः

(a) कन्यादान (b) फसल (c) छाया मत छूना (d) संगतकार।

पठित काव्याँश 2023-24 Series (A)

4.निम्नलिखित काव्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

हमारैं हरि हारिल की लकरी।मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि,कान्ह-कान्ह जक री।

सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।

सु तौ व्याधि हमकौं लैं आए, देखी सुनी न करी। यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपो, जिन के मन चकरी।

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजियेः 4x1=4

(क) कविता का भाव स्पष्ट कीजिये।

(ख) गोपियों के लिए योग क्यों व्यर्थ था?

(ग) गोपियों ने योग रूपी व्याधि किन्हें सौंपने को कहा है?

(घ) गोपियों ने स्वयं को हारिल और श्रीकृष्ण को हारिल की लकड़ी के समान क्यों माना है?

(ड) गोपियों की दृष्टि में 'व्याधि' क्या थी?

भाग-व

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः 6x1=6

(क) कवि का नाम लिखियेः

(ट) देव (ठ) सूरदास (ड) नागार्जुन (ढ) रहीम।

(ख) गोपियाँ दिन-रात क्या रटती थीं?

(ट) कृष्ण-कृष्ण (ठ) रहीम (ड) देव (ढ) उद्धव।

(ग) गोपियों को योग की बाते कैसी लगीं?

(ट) कड़वी-ककड़ी (ठ) तेल की बूँद (ड) पानी (ढ) गुड़।

(घ) गोपियाँ कब-कब श्री कृष्ण के नाम को रटतीं थी?

(ट) रात (ठ) दिन (ड) सोते-जागते (ढ) उपरोक्त सभी।

(ड) उद्धव ने गोपियों को शिक्षा दी:

(ट) कृष्ण को भूल जाने की (ठ) भक्ति करने की (ड) योग की (ढ) इनमें से कोई भी नहीं।

(च) कविता का नाम लिखियेः

(ट) पद (ठ) उत्साह (ड) कन्यादान (ढ) देव।

पठित काव्याँश 2023-24 Series (B)

4. निम्नलिखित काव्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज मैं न सकता देख मैं न पाता जान

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य ! चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य ! इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क उंगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क देखते तुम इधर कनखी मार और होतीं जब कि आँखें चार तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 4x1=4

(क) अवतरण में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिये।
(ख) कवि ने किस-किस को धन्य माना है और क्यों ?
(ग) कवि ने स्वयं को क्या कहा है?
(घ) बच्चे और कवि के बीच माध्यम कौन बना?
(ङ) कवि को किसकी मुस्कान छविमान लग रही थी?

भाग-ब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः 6x1=6

(क) कविता का नाम है:

(ट) उत्साह (ठ) संगतकार (ड) कन्या दान (ढ) यह दंतुरित मुसकान।

(ख) कवि का नाम है:

(ट) जायशंकर प्रसाद (ठ) देव (ड) नागार्जुन (ढ) सूरदास।

(ग) इनमें से 'अतिथि' का पर्यायवाची नहीं है:

(ट) मेहमान (ठ) निराला (ड) आगंतुक (ढ) पाहुन।

(घ) 'तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान' में किसकी बात कही गयी है?

(ट) शिशु की (ठ) माँ (ड) चिरप्रवासी (ढ) दादी।

(ङ) 'मधुपर्क' का अर्थ है:

(ट) शहद, जल, घी, दही, चीनी का समाहार (ठ) शहद (ड) जल, घी, चीनी का समाहार (ढ) जल, घी का समाहार।

(च) 'आँखें-दिखाना' मुहावरे का अर्थ है।

(ट) आमना-सामना होना (ठ) चार आँखें होना (ड) नाराज होना (ङ) क्रोध करना।

पठित काव्याँश 2023-24 Series (C)

निम्नलिखित काव्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।। आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाई बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।। सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।। सो विलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ।। सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने ।। बहु धनुही तोरि लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाई।। येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ।।
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार। धनुही सम त्रिपुरारिधनु विदित सकल संसार।

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये:4x1=4

(क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिये।
(ख) परशुराम ने क्या धमकी दी थी?
(ग) लक्ष्मण की किस बात को सुनकर परशुराम को अधिक क्रोध आया था?
(घ) परशुराम के वचनों को सुनकर लक्ष्मण के चेहरे पर कैसे भाव प्रकट हुए थे?
(ङ) लक्ष्मण ने शिवधनुष को क्या कहा था?

भाग-ब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः6x1=6

(क) परशुराम का स्वभाव कैसा था?

(ट) क्रोधी (ठ) नम्र (ड) मजाकिया (ढ) क्रोधी व उग्र ।

(ख) कवि का नाम है:

(ट) तुलसीदास (ठ) सूरदास (ड) देव (ढ) कबीर।

(ग) शिवधनुष को तोड़ने वाले को परशुराम ने किसके समान अपना शत्रु माना था?

(ट) सहस्रबाहु (ठ) जमदग्नि (ड) देव (ढ) कामधेनु।

(घ) कविता का नाम है:

(ट) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद (ठ) राम संवाद (ड) लक्ष्मण संवाद (ढ) परशुराम संवाद।

(ङ) परशुराम के अनुसार लक्ष्मण किसके वश में हो कर बोल रहा था?

(ट) काल (ठ) क्रोध (ड) देव (ढ) उपरोक्त सभी।

(च) 'रिपु' का अर्थ है

(ट) शत्रु (ठ) मित्र (ड) काल (ढ) समय।

पठित गद्यांश 2016A

इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेता जी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानि चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्में का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैले गई।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मूर्ति को कैसा चश्मा पहनाया गया था ?

(ग) कहाँ क्या खटक रहा था और क्यों ?

(घ) हालदार साहब ने क्या लक्षित किया और कैसे ?

पठित गद्यांश 2016 series B

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पर यह पितृगाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित् के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनचाहे अनजाने किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लेखिका के पिता में क्या खूबियाँ थीं ?

(ग) लेखिका अपने पिता के संबंध में क्यों बता रही है ?

(घ) लेखिका के पिता की खामियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

नवाब साहब से सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ विश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होठों तक ले गए। फाँक को सूंघा। स्वाद के आनंद में पलकें मुँद गईं। मुँह में भर आए पानी का घूंट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) "सतृष्ण आँखों" से देखने का क्या तात्पर्य है ?
यहाँ कौन ऐसा कर रहा है ?

(ग) नवाब साहब ने खीरे की फाँक का क्या किया ?

(घ) नवाब साहब ने खीरे का आनन्द कैसे लिया ?

पठित गद्यांश 2016 series C

हालदार साहब को आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना । एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पान वाले से ही पूछ लिया क्यों भई ! क्या बात है ? यह तुम्हारे नेता जी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है ?

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) हालदार साहब की क्या आदत थी ?

(ग) हालदार साहब को किस बात पर आश्चर्य हुआ ?

(घ) हालदार साहब ने अपने कौतूहल के समाधान के लिए क्या किया ?

पठित गद्यांश 2017 A

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में वितृन का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु को शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लेखक ने डिब्बे में किसे और किस स्थिति में देखा ?

(ग) लेखक के अनुमान के प्रतिकूल क्या हो गया ?

(घ) लेखक जब प्लेटफार्म पर पहुँचा तो ट्रेन की क्या स्थिति थी ? लेखक ने क्या किया ?

अथवा

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर वह भरा थाल क्या है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मनुष्य ने आग का आविष्कार क्यों और कैसे किया था?

(ग) मनुष्य को पेट भरे और तन ढके होने पर भी नींद क्यों नहीं आती।

(घ) सुई-धागे का आविष्कार किस लिए हुआ और सुई कैसे बनाई गई होगी ?

पठित गद्यांश 2017 B

निम्नलिखित गद्याश पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

गर्मियों में उनकी संझा कितनी उमस भरीं शाम को न शीतल करती।अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेम-मंडली उसे दुहराती, तिहराती। धीरे- धीरे स्वर ऊँचा होने लगता एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस ताल-स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन-तन पर हावी हो जाता। होते-होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके, तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) गर्मियों में बालगोबिन भगत क्या करते थे ?

(ग) प्रेमी-मंडली कौन थी ? उसका क्या काम था ?

(घ) होते-होते कौन-सा क्षण आ जाता था ?

पठित गद्यांश 2017 C

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो आवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे के पास दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है !

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था ?

(ग) कैप्टन के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।

(घ) कैप्टन क्या कार्य करता था ?

पठित गद्यांश 2018 Series (A)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

संस्कृति के नाम से जिस कूरक प्रश्नों के उत्तर दीजिए ता है. वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षजन क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़ कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्यों की चीन को पकता उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दल बंदियों की जरूरत है। 2x3=6

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) संसार कैसा है और यहाँ कैसा व्यवहार होना चाहिए ?

(ग) कौन सी संस्कृति रक्षणीय नहीं है ?

अथवा

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लेखक जब प्लेटफार्म पर पहुँचा तो ट्रेन की क्या स्थिति थी ? लेखक ने क्या किया ?

(ग) लेखक ने डिब्बे में किसे और किस स्थिति में देखा ?

पठित गद्यांश 2018 Series(B)

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बर्बाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर-मान लीजिए मोती लाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) वह पूरी बात कौन-सी है जिसका पता नहीं है ?

(ग) ऊहापोह की स्थिति क्यों बनी रही ?

अथवा

अक्सर कहते हैं-'क्या करें मियाँ, ई काशी छोड़कर कहाँ जाएँ, गंगा मइया यहाँ, बाबा विश्वनाथ यहाँ, बाला जी का मन्दिर यहाँ, यहाँ हमारे खानदान की कई पुश्तों ने शहनाई बजाई है, हमारे नाना तो वहीं बालाजी मन्दिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईनवाज़ रह चुके हैं। अब हम क्या करें, मरते दम तक न यह शहनाई छूटेगी न काशी। जिस जमीन ने हमें तालीम दी, जहाँ से अदब पाई, वो कहाँ और मिलेगी ? शहनाई और काशी से बढ़कर कोई जन्नत नहीं इस धरती पर हमारे लिए'।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते थे ?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के लिए शहनाई और काशी क्या है?

पठित गद्यांश 2018 Series (C)

13. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार, फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सब के मन में जो उनके निकट थे किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लेखक ने फ़ादर बुल्के के 'छायादार', फल-फूल गंध से भरा क्यों कहा है ?

(ग) लेखक के लिए फ़ादर बुल्के क्या थे ?

अथवा

बेटे को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढाँक रखा है वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं, फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं। वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है, जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं किन्तु बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं। हाँ, गाते-गाते कभी-कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला उससे बढ़कर आनंद की कौन बात ?

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) बालगोबिन भगत के बेटे को क्या हो गया था ? उन्होंने उसका क्या किया ?

(ग) अपनी पतोहू को बालगोबिन क्या समझाते हैं ?

पठित गद्यांश 2019 (Series A)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

फादर को जहरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक और कुछ नहीं था, उसके लिए इस जहर का विधान क्यों हो ? यह सवाल किस ईश्वर से पूछें ? प्रभु व आस्था ही जिसका अस्तित्व था। वह देह की इस यातना की परीक्षा उम्र की आखिरी देहरी पर क्यों दे

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) फादर से किस व्यक्ति की ओर संकेत किया गया है और उनकी मृत्यु कैसे हुई ?

(ग) अन्य लोगों के प्रति फादर का व्यवहार कैसा था ?

(घ) 'उम्र की आखिरी देहरी' का भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई-धागे के आविष्कार में स शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस अ की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रा जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए प है कि आखिर वह मोती भरा थाल क्या है ?

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मनुष्य ने आग का आविष्कार क्यों किया था ?

(ग) सुई-धागे का आविष्कार किस लिए हुआ ?
(घ) मनुष्य को पेट भरे और तन ढके होने पर भी नींद क्यों नहीं आती ?

पठित गद्यांश 2019 (Series B)

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टंगे बहुत से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था। इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है!

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था ?
(ग) कैप्टन क्या कार्य करता है ?
(घ) कैप्टन के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनन्दकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) आज की काशी कैसी है ?
(ग) काशी में मरण मंगलमय क्यों माना गया है ?
(घ) काशी के पास कौन-सा नायाब हीरा रहा है?

पठित गद्यांश 2019 (Series C)

मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नई कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। (
(ख) 'मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन' से क्या आशय है ?
(ग) लेखक ट्रेन की कौन-की क्लास में यात्रा कर रहा है और क्यों ?
(घ) ट्रेन में आराम से यात्रा करने के लिए किस क्लास में यात्रा करने की राय लेखक दे रहा है तथा उस क्लास में यात्रा करने से क्या हानि है ?

अथवा

पर यह सब तो मैंने केवल सुना। देखा, तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पिता थे। एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहां उन्होंने अपने अकेले के बल-बूते और हौंसले से अंग्रेज़ी-हिन्दी शब्द-कोश के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इससे उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत मिली, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखिका ने किसके संबंध में क्या सुना था ?
(ग) लेखिका के पिता को अजमेर क्यों आना पड़ा ?
(घ) लेखिका के पिता को अपने कार्य के लिए क्या मिला और क्या नहीं मिला?

पठित गद्यांश 2020 Series (A)

11. निम्नलिखित गयाँश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर ३।

(कोई तीन) :

हालदार साहब को आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से पूछ ही लिया, क्यों भई ! क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता है ? पानवाले के खुद के मुँह में पान हुँसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिज़ाज़ आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हंसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखा कर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखो।
(ख) हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी ?
(ग) हालदार साहब ने पानवाले से क्या पूछा ?
(घ) नेता जी का चश्मा कैसे बदल जाता था ?

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं- 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आंसू निकल आएँ।'

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखो।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ कब से शहनाई बजा रहे हैं और क्या माँग रहे हैं ?

(ग) नमाज़ के बाद बिस्मिल्ला खाँ सज़दे में क्या कहते हैं ?

(घ) शहनाई की मंगलध्वनि के नायक कौन हैं ?

पठित गद्यांश 2020 Series (B)

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मनाच उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गाए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बॉस पर टँगे बहुत से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बँद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) कैप्टन क्या कार्य करता है ?

(ग) हालदार साहब को कैप्टन देशभक्त क्यों लगा ?

(घ) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा था?

पठित गद्यांश 2020 Series (C)

11. निम्न गद्यांश को पढ़कर तीन प्रश्नों के उत्तर दें :

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होंठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनंद में पलकें मुँद गई। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) नवाब साहब ने खीरे की फाँक का क्या किया ?

(ग) नवाब साहब ने खीरे का कैसे आनंद लिया ?

(घ) नवाब साहब ने खिड़की के बाहर देखकर दीर्घनिश्वास क्यों लिया ?

अथवा

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती हैं। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भांति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखें।

(ख) संस्कृत व्यक्ति से क्या तात्पर्य है ?

(ग) संस्कृत व्यक्ति की संतान संस्कृत क्यों नहीं हो सकती ?

(घ) संस्कृत व्यक्ति में क्या गुण हैं ?

पठित गद्यांश 2021 Term 1 Series (A)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : 5×1=5

लेकिन भाई! एक बात अभी समझ में नहीं आई। हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, नेता जी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया? पानवाला दूसरा पान मुँह में दूँस चुका था। दोपहर का समय था, 'दुकान' पर भीड़-भाड़ अधिक नहीं थी। वह फिर आँखों-ही-आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। कत्थे की डण्डी फेंक पीछे मुड़कर उसने नीचे पीक थूकी और मुसकुराता हुआ बोला, मास्टर बनाना भूल गया। पान वाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लि चकित और द्रवित करने वाली।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) हालदार साहब ने पानवाले से क्या पूछा?

(ग) पानवाले ने हालदार साहब के प्रश्न का क्या उत्तर दि

(घ) इस गद्यांश में किस समय का वर्णन है?

(ड.) मास्टर द्वारा चश्मा न बनाने की भूल हालदार साह लिए कैसी बात थी?

अथवा

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया, पतोहू से ही दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंहि श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई,पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अंटल था।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) बालगोबिन भगत ने अपने बेटे का क्रिया-कर्म कैसे किया?
(ग) पतोहू के लिए बालगोबिन ने क्या प्रबन्ध किया?
(घ) पतोहू क्या चाहती थी और क्यों?
(ड.) 'भगत का निर्णय अटल था' इससे भगत के चरित्र की किम विशेषता का बोध होता है?

पठित गद्यांश 2021 Term 1 Series (B)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें : 5x1=5

किन्तु खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं कें आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतुहल होता। कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते-जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीर पंथ मठ से मतलब ! वह दरबार में भेंट-स्वरूप रख लिया जाक 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी स गुज़र चलाते !

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) बाल गोबिन किनके आदर्शों पर चलते थे?
(ग) बाल गोबिन जीवन में किन-किन नियमों का पालन करते थे
(घ) वे अपनी फसलों को सिर पर लादकर कहाँ ले जाते और क्यों?
(ड) मठ भगत जी की फसलों का क्या करता था?

(अथवा)

नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए। हमें तसलीम में सिर खम कर लेना पड़ा- यह है खानदानी तहज़ीब नफासत और नज़ाकत! हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगन्ध और स्वाद की कल्पना से सन्तुष्ट होने का सूक्ष्म, नफीस या एब्सट्रैक्ट तरीका जरूर कहा जा सकता है परन्तु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है? नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, 'खीरा लज़ीज़ होता है लेकिन होता है सकील नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।'

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) नवाब साहब ने खीरा खाने की तैयारी कैसे की?
(ग) लेखक किस बात पर विचार कर रहा था?
(घ) नवाब साहब ने खीरा न खाने का क्या कारण बताया?
(ड) 'लज़ीज' शब्द का अर्थ लिखें।

2. सूक्ष्म शब्द का विलोम लिखें।

पठित गद्यांश 2021 Term 1 Series (C)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझ कर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नसल के एक सफेद पोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकान्त-चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिन्ता में हों या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) लेखक जब प्लेटफार्म पर पहुँचा तो ट्रेन की क्या स्थिति थी? लेखक ने क्या किया?
(ग) लेखक के अनुमान के प्रतिकूल क्या हो गया?
(घ) डिब्बे में लेखक ने किसे और किस स्थिति में देखा?
(ड) डिब्बे में सहसा कूद जाने पर लेखक को उस व्यक्ति पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई दी?

अथवा

इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों परं चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने उसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैल गई।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। (
(ख) कौन-सा प्रयास सफल था और कैसे?
(ग) कहाँ क्या खटक रहा था और क्यों?
(घ) चौराहे पर किस नेता की मूर्ति लगी थी, पूरा नाम लिखें।

(ङ) हालदार साहब के चेहरे पर कौतुक भरी मुस्कान फैलने का क्या कारण था?

पठित गद्यांश 2022 Term 2 Series (A)

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

पढ़ने-लिखने में स्वयं कोई बात ऐसी नहीं जिससे अनर्थ हो सके। अनर्थ का बीज़ उसमें हरगिज नहीं। अनर्थ पुरुषों से भी होते हैं। अनपढ़ों और पढ़े-लिखों, दोनों से। अनर्थ, दुराचार और पापाचार के कारण और ही होते हैं और वे व्यक्ति-विशेष का चाल-चलन देखकर जाने भी जा सकते हैं। अतएव स्त्रियों को अवश्य पढ़ान चाहिए।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) पढ़ना-लिखना स्वयं में कैसा है?

(ग) अनर्थ का बीज़ किस में होता है?

(घ) व्यक्ति-विशेष का चाल-चलन देखकर क्या जाना जा सकता है?

(ङ) लेखक का स्त्री-शिक्षा के संबंध में क्या विचार है?

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं- 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकलआएँ'।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) शहनाई की ध्वनि को क्या कहा जाता है और क्यों ?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ कब से शहनाई बजा रहे हैं और क्या माँग रहे हैं?

(घ) 'सच्चे सुर की नेमत' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) नमाज़ के बाद बिस्मिल्ला खाँ सज़दे में क्या कहते हैं और क्यों ?

पठित गद्यांश 2022 Term 2 Series (B)

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनंदकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज़ सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) आज की काशी कैसी है?

(ग) काशी में मरण मंगलमय क्यों माना गया है ?

(घ) काशी के पास कौन-सा नायाब हीरा रहा है?

(ङ) काशी आनंदकानन कैसे है?

पठित गद्यांश 2022 Term 2 Series (C)

अमीरुद्दीन अभी सिर्फ छः साल का है और बड़ा भाई शम्सुद्दीन नौ साल का। अमीरुद्दीन को पता नहीं है कि राग किस चिड़िया को कहते हैं और ये लोग हैं मामूजान वगैरह जो बात-बात पर भीमपलासी और मुलतानी कहते रहते हैं। क्या वाज़िब मतलब हो सकता है इन शब्दों का, इस लिहाज से अभी उम्र नहीं है अमीरुद्दीन की, जान सके इन भारी शब्दों का वजन कितना होगा। गोया, इतना ज़रूर है कि अमीरुद्दीन व शम्सुद्दीन के मामाद्वय सादिक हुसैन तथा अलीबख्श देश के जाने-माने शहनाई वादक हैं।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) अमीरुद्दीन कौन हैं?

(ग) भीमपलासी और मुलतानी क्या है?

(घ) 'वाज़िब' शब्द का क्या अर्थ है?

(ङ) लेखक ने किन्हें जाने-माने शहनाई वादक कहा है?

पठित गद्यांश 2022-23 Series (A)

2. निम्नलिखित पठित गद्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5x1=5

बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एकधान के पौधे को पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है। उनका कण्ठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं; वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं। बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

(i) इस गद्याँश के पाठ के लेखक हैं :

(अ) यशपाल (ब) स्वयं प्रकाश (स) रामवृक्ष बेनीपुरी (द) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(ii) भगत खेत में क्या कर रहे थे ?

(अ) हल जोत रहे थे। (ब) धान की रोपनी कर रहे थे। (स) सिर्फ गीत गा रहे थे। (द) कीचड़ में लोट रहे थे।

(iii) भगत का संगीत सुनकर बच्चे क्या करते हैं ?

(अ) भागने लगते हैं (ब) गीत गाने लगते हैं (स) बच्चे झूमने लगते हैं(द) इनमें से कोई नहीं

(iv) हलवाहे किन्हें कहते हैं?

(अ) गीत गाने वालों को। (ब) खंजड़ी बजाने वालों को। (स) हल-बैल जोतने वालों को। (द) रोपनी करने वालों को।

(v) मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं

(अ) वर्षा में ठण्ड के कारण। (ब) भगत के संगीत को गुनगुनाने के लिए।

(स) भूख-प्यास के कारण। (द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

अथवा

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास लिया। खीरे की एक फाँक को उठाकर होठों तक ले गए। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनंद में पलकें मूँद गईं। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की के बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।

(i) गद्याँश के पाठ का नाम है :

(अ) बालगोबिन भगत । (ब) लखनवी अंदाज़ । (स) नेताजी का चश्मा । (द) इनमें से कोई नहीं।

(ii) खीरे की फाँकें चमक रही थीं :

(अ) धूप के कारण। (ब) ट्रेन की रोशनी के कारण।

(स) नमक-मिर्च लगाने से निकले पानी के कारण। (द) इनमें से कोई नहीं।

(iii) नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास क्यों लाते थे ?

(अ) सूँघने के लिए (ब) चखने के लिए (स) नज़दीक से देखने के लिए (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) 'स्वाद के आनंद से पलकें मुँद गईं', से अभिप्राय है :

(अ) खाने में स्वाद लगी (ब) बिना खाए संतुष्ट हो गए (स) अच्छी नहीं लगी (द) कड़वी गंध आई

(v) नवाब साहब ने खीरे की फाँकों को कहाँ रखा ?

(अ) डिब्बे में छुपा लिया।(ब) लेखक को दे दीं। (स) खिड़की के बाहर फेंक दी। (द) स्वयं खा लिया।

पठित गद्यांश 2022-23 Series (B)

निम्नलिखित पठित गद्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5x1=5

इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुक भरी मुस्कान फैल गई।

(i) इस गद्यांश के पाठ के लेखक हैं :

(अ) यशपाल (ब) स्वयं प्रकाश (स) रामवृक्ष बेनीपुरी (द) इनमें से कोई नहीं

(ii) सराहनीय प्रयास क्या था ?

(अ) चश्मा पहनाना (ब) हालदार का कस्बे से गुज़रना (स) चौराहे पर नेता जी की मूर्ति लगाना (द) उपरोक्त सभी

(iii) हालदार साहब को क्या खटकता था ?

(अ) मूर्ति संगमरमर की होना (ब) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना

(स) चौराहे पर रुकना (द) पान खाना

(iv) हालदार के चेहरे पर कौतुक भरी मुस्कान क्यों फैल गई ?

(अ) मूर्ति पर सचमुच का चश्मा देखकर (ब) पान की दुकान देखकर (स) मूर्ति को देखकर (द) उपरोक्त सभी

(v) चौराहे पर मूर्ति किसने बनवाई होगी ?

(अ) पान वाले ने (ब) कैप्टन चश्मे वाले ने (स) हाईस्कूल वालों ने (द) नगरपालिका वालों ने

पठित गद्यांश 2022-23 Series (C)

निम्नलिखित पठित गद्याँश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर लिखें : 5×1=5

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया, पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती- मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक बुष्ण पानी भी देगा में पैर पड़ती हूँ मुझे अपने अलग नहीं कीजिए लेकिन भगतका निर्णय जा. नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूंगा

(1) इस गद्यांश के पाठ के लेखक कौन हैं?

(अ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (च) स्वयं प्रकाश (स) रामवृक्ष बेनीपुरी (द) यशपाल

(II) भगत ने पुत्रवधू को कहाँ भेजा ?

(अ) भगत ने पुत्रवधू को दूसरे घर भेज दिया। (ब) पतोहू को घर में अकेला छोड़ दिया।
(स) स्वयं घर छोड़ दिया।
(द) पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ यह कहकर भेज दिया कि इसकी दूसरी शादी कर देना।

(iii) पतोहू क्यों रो रही थी? वह क्यों नहीं जाना चाहती थी ?

(अ) क्योंकि घर में सभी लोग थे। (ब) घर के लोग उसको नहीं चाहते थे।
(स) वह भगत को इस उम्र (बुढ़ापे) में अकेला नहीं छोड़ना चाहती थी। (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(IV) भगत के कितने बेटे थे ?

(अ) चार (च) तीन (स) एक (द) दो

(v) भगत की आखिरी दलील थी

(अ) मैं मर जाऊँगा। (ब) मैं खाना नहीं खाऊँगा।
(स) तू जा, नहीं तो मैं ही घर छोडकर चला जाऊँगा। (द) इनमें से कोई नहीं

अथवा

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगडा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टंगे बहुत से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं ! फेरी लगाता है !

(i) इस गद्यांश के पाठ का क्या नाम है ?

(अ) नेता जी का चश्मा (ब) मानवीय करुणा की दिव्य चमक
(स) बालगोबिन भगत (द) लखनवी अंदाज

(ii) पान वाले द्वारा कैप्टन का क्या मजाक उड़ाया गया?

(अ) वह तो फौज का कैप्टन है। (ब) वह चश्मे बनाता है।
(स) "वह लगड़ा क्या जाएगा फौज में पागल है पागल" (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) कैप्टन दिखने में कैसा था ?

(अ) एकदम हृष्ट-पुष्ट (ब) बहुत लम्बा व मोटा आदमी (स) बूढ़ा कमज़ोर व लंगड़ा आदमी (द) उपरोक्त सभी

(iv) हालदार पान वाले के पास क्या करता था ?

(अ) चाय पीता था (ब) खाना खाता था (स) शतरंज खेलता था (द) पान खाता था

(v) चौराहे पर किसकी मूर्ति लगी थी ?

(अ) जॉर्ज पंचम की (ब) भगत सिंह की (स) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की (द) शिवाजी की

पठित गद्यांश 2022-23 Series (A)

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश के पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए:

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर मांग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पांचों वक्त वाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं- 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आंसू निकल आए।'

(क) इस गद्यांश के लेखक हैं:

(a) यतीन्द्र मिश्र (b) मन्नू भंडारी (c) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (d) भदंत आनंद कौसल्यायन।

(ख) शहनाई की ध्वनि को कहा जाता है:

(a) सुर (b) मंगलध्वनि (c) संगीत (d) शहनाई।

(ग) बिस्मिल्ला ख़ाँ कब से शहनाई बजा रहे हैं?

(a) पिछले अस्सी वर्षों से (b) पिछले दस वर्षों से (c) पिछले साठ वर्षों से (d) पिछले पांच वर्षों से।

(घ) मेरे मालिक मुझे बख्श दे:

(a) उम्र (b) धन (c) एक सुर (d) उपरोक्त तीनों।

(ङ) शहनाई के इसी मंगल ध्वनि के नायक कौन थे?

(a) यतीन्द्र मिश्र (b) शम्सुद्दीन (c) बिस्मिल्ला खाँ (d) सादिक हुसैन।

पठित गद्यांश 2022-23 Series (B)

अमीरुद्दीन अभी सिर्फ छः साल का है और बड़ा भाई शम्सुद्दीन नौ साल का। अमीरुद्दीन को पता नहीं है कि राग किस चिड़िया को कहते हैं और ये लोग हैं मामूजान वगैरह जो बात-बात पर भीमपलासी और मुलतानी कहते रहते हैं। क्या वाजिब मतलब हो सकता है इन शब्दों का, इस लिहाज से अभी उम्र नहीं है अमीरुद्दीन की, जान सके इन भारी शब्दों का वजन कितना होगा। गोया, इतना जरुर है कि अमीरुद्दीन व शम्सुद्दीन के मामाद्वय सादिक हुसैन तथा अलीबख्श देश के जाने-माने शहनाई वादक हैं।

(क) इस गद्यांश के लेखक हैं:

(a) भदंत आनंद कौसल्यायन (b) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (c) मन्नू भंडारी (d) यतीन्द्र मिश्र।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ का बचपन का क्या नाम था?

(a) शम्सुदीन (b) अमीरुद्दीन (c) सादिक हुसैन (d) अलीबख्श।

(ग) भीमपलासी और मुलतानी क्या है?

(a) दो भाई (b) दो मित्र (c) संगीत के दो राग (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) लेखक ने किन्हें जाने-माने शहनाई वादक कहा है?

(a) शम्सुदीन और अमीरुद्दीन (b) अमीरुद्दीन और सादिक हुसैन

(c) बिस्मिल्ला खाँ और शाम्सुदीन (d) सादिक हुसैन और अलीबख्श।

(ङ) 'वाजिब' शब्द का क्या अर्थ है?

(a) मतलब (b) अनुचित (c) सुंदर (d) उचित।

पठित गद्यांश 2022-23 Series (C)

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है।काशी आनन्दकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाई चारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(क) इस गद्यांश के लेखक हैं:

(a) भदंत आनंद कौसल्यायन (b) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (c) मन्नू भंडारी (d) यतीन्द्र मिश्र।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ के शहनाई वादन की प्रभाती काशी को क्या करती है?

(a) हँसाती है (b) जगाती है (c) जागती है (d) सुलाती है।

(ग) काशी में मरण मंगलमय क्यों माना गया है?

(a) शिव की नगरी ह (b) संगीत गाया जाता ह (c) बालाजी का मन्दिर है (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) बिस्मिल्ला खाँ ने सदा काशी-वासियों को क्या करने की प्रेरणा दी?

(a) संगीत गाने की (b) मिल-जुल कर रहने की (c) लोगों को मस्त रखने की (d) इनमें से कोई नहीं।

(ङ) काशी के पास कौन-सा नायाब हीरा रहा है?

(a) बिस्मिल्ला खाँ (b) शम्सुद्दीन (c) सादिक हुसैन (d) अलीबख्श।

पठित गद्यांश 2023- 24 Series (A)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजियेः

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मजाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गये। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाये एक हाथ में छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिये अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरो लगाता है।

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 4x1=4

(च) हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा?

(छ) हालदार कैप्टन को देखकर हैरान क्यों रह गये?

(ज) कैप्टन क्या कार्य करता था?

(झ) कैप्टन के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिये।

(ञ) हालदार साहब को कैप्टन देशभक्त क्यों लगा?

भाग-ब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः 6x1=6

(क) पाठ का नाम है:

(ट) चश्मा नेता जी का (ठ) स्वयं प्रकाश (ड) चश्मा (ढ) नेता जी का चश्मा।

(ख) हालदार कैप्टन को कैसा व्यक्ति मानते थे?

(ट) चोर (ठ) आतंकवादी (ड) देशभक्त (ढ) विदेशी।

(ग) हालदार साहब को किसके द्वारा देशभक्त का मताक उड़ाना अच्छा नहीं लगा?

(2) ड्राइवर (ठ) चाय वाले (ड) पान वाले (ड) चोर।

(घ) 'मरियल' का अर्थ है:

(2) कमजोर (ठ) ताकतवर (ड) मोटा (८) अमीर।

(ङ) लेखक का नाम लिखियेः

(ट) स्वयं प्रकाश (ठ) मन्नू भंडारी (ड) प्रमचंद (ढ) सूरदास।

(च) कैप्टन बाँस पर क्या टाँगता था?

(ट) पान (ठ) चश्मे (ड) टोपी (ढ) कमीज़।

पठित गद्यांश 2023- 24 Series (B)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रषनों के उत्तर दीजियेः

आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं। ठण्डी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर तरंग-झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है। यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूच्चा शरीर कीचड़ में लिथडे, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही है। उनका कण्ठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खखड़े लोगों के कानों की ओर। बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंढ़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं; वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों को अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं। बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू।

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 4x1=4

(च) बालगोबिन भगत क्या कर रहे हैं?

(छ) बालगोबिन के संगीत का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ज) राम वृक्ष बेनुपुरी ने इस गद्यांश में किस अवसर का वर्णन किया है?

(झ) इस गद्यांश को पढ़कर आपके मन में बालगोबिन भगत का जो चित्र उभरता है; उसे अपने शब्दों में लिखिये।

(ञ) बालगोबिन भगत के कण्ठ से क्या निकल रहा है?

भाग-ब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 6x1=6

(क) पाठ का नाम है:

(२) बालगोबिन भगत (ठ) भगत (ड) भगत बालगोविन (ढ) बालगोबिन।

(ख) बालगोबिन भगत का शरीर किससे लिथड़ा हुआ था?

(ट) खून (ठ) दूध (ड) कीचड़ (ढ) दही।

(ग) 'पुरवाई' का क्या अर्थ है?

(ट) ठण्डी (ठ) आग (ड) हवा (ढ) वर्षा।

(घ) लेखक का नाम हैं:

(ट) रामवृक्ष (ठ) बेनीपुरी (ड) रामवृक्ष बेनीपुरी (ड) बेनीपुरी रामवृक्ष।

(ङ) औरतों के होंठ क्यों काँपने लगते हैं?

(ट) ठण्ड से (ठ) डर से (ड) गुनगुनाने के लिए (ब) नहाने से।

(च) बालगोबिन भगत अपने खेत में क्या कर रहे हैं?

(८) रोपनी (ठ) पनी (ड) नहा (ड) आग सेंक

पठित गद्यांश 2023- 24 Series (C)

खण्ड-क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

प्रभात फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश-खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रंगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।, स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिता जी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उर्दू-वैदूँ जानूँ-समझें। हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना, उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए। जब रंगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय कैसे ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको धरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेन्द्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा।

भाग-अ

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजियेः 4x1=4

(च) लेखिका किन दिनों का वर्णन कर रही है? उन दिनों देश का वातावरण कैसा था?

(छ) शीला अग्रवाल कौन थी? उसने लेखिका को कैसे प्रभावित किया?

(ज) पाठ और लेखक का नाम बताये।

(झ) लेखिका को क्या पंसद था?

(ञ) लेखिका के पिता क्या चाहते थे?

भाग-ब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(क) पाठ का नाम है:

(ट) एक कहानी (ठ) यह भी कहानी (ड) कहानी यह भी (ड) घर की कहानी।

(ख) लेखिका के पिता चाहते हैं कि लेखिकाः

(ट) कॉलेज जाये (अ) घर के लोगों के बीच उठे बैठे (ड) घर से न निकले (ढ) हड़तालें करें।

(ग) 'प्रभात' का अर्थ है:

(ट) दोपहर (ठ) शाम (ड) रात (ड) सुबह।

(घ) शहर में क्या हो रहा था?

(ट) प्रभातफेरियाँ (ठ) हड़तालें (ड) जुलूस, भाषण (ड) उपरोक्त सभी।

(ङ) "मैं' भी युवा थी' में रेखांकित शब्द है:

(ट) संज्ञा (ठ) सर्वनाम (ड) क्रिया (ढ) विशेषण।

(च) शीला अग्रवाल की बातों ने प्रभावित किया:

(ट) पिता जी को (ठ) लेखिका को (ड) लोगों को (ढ) युवाओं को।

व्याकरण 2016

खण्ड-ग

5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) नेहा हँसती है।

(ख) अध्यापक ने छात्रों से सफाई करवाई।

(ग) यशु क्रिकेट खेलता है।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) पारस प्रतिदिन स्कूल जाता है।

(ख) सामने से गाड़ी आ रही थी।

(ग) मेरे घर के समीप मन्दिर है।

7 निम्नलिखित रचना के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए :

(क) आप चाय लेंगे या कॉफी।

(ख) झूठ बोलना पाप है।

(ग) जब मैं छोटा था तब साईकिल खूब चलाता था।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

(क) गीता ने कपड़े धोए।

(ख) नानी से कहानी नहीं कही जाती।

(ग) मैं सर्दियों में नहीं नहाता।

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए :

(क) दशानन, लाल मिर्च।

(ख) अंबर,कल के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2016 series B

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) ममता जाग रही है।

(ख) लोग रामायण पढ़ते हैं।

(ग) पिता जी ने मुझ से पत्र लिखवाया।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) मैं कल शिमला जाऊँगा।

(ख) अखबार वाला बाहर खड़ा है।

(ग) नेता जी लोगों से प्रेमपूर्वक मिले।

7 निम्नलिखित रचना के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए :

(क) वह पुस्तक पढ़कर सो गया।

(ख) अध्यापक चाहता है कि उसके शिष्य अच्छे बनें।

(ग) मोनिका आई और रिया चली गई।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

(क) विशाल रोता है। **(कर्म वाच्य)**

(ख) मुझसे ऐसी बातें नहीं सुनी जाती। **(कृत वाचय)**

(ग) मैं उठ नहीं सकता। **(भाव वाच्य)**

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए :

(क) यथासम्भव, वेद-पुराण।

(ख) अंक अथवा हार के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

व्याकरण 2016 series C

5 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) प्रतीक सो रहा है।

(ख) ग्रामवासियों ने चोर को पकड़वाया।

(ग) रूबल ने पुस्तक खरीदी।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) बस धीरे-धीरे चलती है।

(ख) आज वर्षा नहीं होगी।

(ग) परीक्षा भवन में इधर-उधर झाँकना मना है।

7 निम्नलिखित रचना के आधार पर वाक्यों के भेद लिखिए :

(क) लड़कियाँ गा रही हैं और नाच रही हैं।

(ख) जो मेहनत करेगा वही पास होगा।

(ग) हम सब सिनेमा देखने जाएंगे।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

(क) नेहा पतंग उड़ा रही है। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) पक्षी रात में सोते हैं। **(भाववाच्य में)**

(ग) मुझसे चला नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) महात्मा, त्रिफला ।

(ख) कर अथवा रजत के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2017 series A

5 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) बच्चा शर्माता है।

(ख) मृणाल ने मिलिन्द को पिता जी से पिटवाया।

(ग) मैंने फूल सूंघा।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) घर के बाहर कूड़ा पड़ा है।

ख) महंगाई आजकल बढ़ती जा रही है।

(ग) मैं कल स्कूल नहीं जाऊँगा।

7 रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए :-

(क) वह पागल हो गया।

(ख) बच्चा दौड़ा और मेरे पास आ गया।

(ग) तुम उस स्थान पर चले जाओ जहाँ बस रुकती है।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदल कर लिखिए :

(क) मैं रोटी खाता हूँ। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) नेहा नहीं सोती। **(भाववाच्य में)**

(ग) पक्षियों से आकाश में उड़ा जाएगा **(कर्तृवाच्य में)**

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) ऋणमुक्त, राजा रंक

(ख) कनक अथवा अशोक के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2017 series B

5 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

क) बस ठहर गई।

(ख) देव पत्रिका पढ़ता है।

(ग) अध्यापक बच्चों से पढ़वा रहा है।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) हाय ! वह मारा गया।

(ख) इधर-उधर मत देखो।

(ग) वे दोनों साथ-साथ घर गए।

7 रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए :-

(क) बाहर जाओ और फूल लाओ।

(ख) यदि बस आई तो मैं स्कूल जाऊँगा।

(ग) माँ खाना बना रही है।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

(क) मुझसे सहा नहीं जाता (कर्तृवाच्य में)

(ख) नेहा ने खाना खाया। (कर्मवाच्य में)

(ग) उमेश हँसा (भाववाच्य में)

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) लम्बोदर, लव-कुश

(ख) कृष्ण अथवा अलि के दो-दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2017 Series C

5 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) प्रिया नहाती है।

(ख) ठेकेदार मजदूरों से ईंटें उठवाता है।

(ग) भक्त रामायण पढ़ते हैं।

6 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) महल के चारों ओर सुन्दर बगीचा है।

(ख) मैं ध्यानपूर्वक सुन रहा हूँ।

(ग) पानी के बिना जीवन असंभव है।

7 रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए :-

(क) मैंने उसे पढ़ाया और नौकरी दिलवाई।

(ख) जल्दी-जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।

(ग) लालची लोग परेशान रहते हैं।

8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए :

(क) शोभना गीत गाती है। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) चिड़ियाँ घोंसलों में सोती हैं। **(भाववाच्य में)**

(ग) नूतन से चला नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9 निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

(क) आजीवन, चौराहा

(ख) चपला अथवा अर्थ के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

व्यवहारिक व्याकरण 2018 Series (A)

5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) अद्वितीय भागता है।

(ख) मैंने फूल सूंघा।

(ग) शरारती बालक दूसरों को पिटवाता है

6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) मैं दिनभर दफ्तर में काम करता हूँ।

(ख) घर के अन्दर से चारपाई लाओ।

(ग) प्रदीप अचानक वहाँ आ गया।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) मजदूरों ने काम कर लिया। **(उद्देश्य और विधेय छाँटिए)**

(ख) ओह ! कैसे बादल घिर आए हैं। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं)**

(ग) वैभव खाना खा रहा है। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं) (रचना के आधार पर वाक्य भेद बताएं)**

8. निम्नलिखित का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करें :

(क) मैं रोटी खाता हूँ। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) नेहा नहीं सोती। **(भाववाच्य में)**

(ग) तरुण से चला नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) यथा समय, चंद्रमुख

(ख) उत्तर अथवा अज के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2018 Series (B)

5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) मैंने उसे पत्र लिखा।

(ख) यहाँ क्यों आई हो ?

(ग) पुलिस ने चोर पकड़वाया।

6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) गंगा नदी वाराणसी तक बहती है।

(ख) पेट्रोल के बिना गाड़ी नहीं चल सकती।

(ग) परीक्षा के समय इधर-उधर नहीं झाँकना चाहिए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) सभी लोगों ने वह सुंदर दृश्य देखा। **(उद्देश्य और विधेय छाँटिए)**

(ख) शायद वर्षा हो। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं)**

(ग) बालिकाएं गा रही हैं और नाच रही हैं। **(रचना के आधार पर वाक्य भेद बताएं।**

8 . निम्नलिखित का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करें :

(क) सूरदास ने सूरसागर की रचना की। **(कर्मवाच्य)**

(ख) हम वहाँ नहीं रहेंगे। **(भाववाच्य)**

(ग) बूढ़ों से खेला नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) दूध दही, सुलोचना

(ख) गति अथवा घन के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2018 Series (C)

5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए :

(क) अंकुश जाग रहा है।

(ख) उसने खाना खिलवाया।

(ग) नेहा चाय बनाती है।

6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छाँटकर लिखिए :

(क) मेरा मित्र धीरे-धीरे चलता है।

(ख) पहाड़ी के समीप नदी बह रही है।

(ग) मैं कल शिमला जाऊँगी।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) पुत्र को देखकर माता का चेहरा खिल उठा। **(उद्देश्य और विधेय छाँटिए)**

(ख) राम खेलने नहीं जाता। **(अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं)**

(ग) जब राजा नगर में आया तो उत्सव मनाया गया। **(रचना के आधार पर वाक्य भेद बताएं)**

8. निम्नलिखित का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करें :

(क) कौआ आकाश में उड़ता है। **(भाववाच्य में)**

(ख) मज़दूर वृक्ष काटेंगे। **(कर्मवाच्य)**

(ग) अनुष्का से भोजन नहीं बनाया जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) अष्टाध्यायी, राजमहल

(ख) आम अथवा चक्र के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

व्याकरण 2019 Series (A) अंक 12

7. निम्नलिखित वाक्यों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) मैंने एक लंगड़े व्यक्ति को भीख मांगते देखा। **(मिश्र वाक्य में)**

(ख) पहली बस पकड़ कर घर आ जाओ। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ग) लड़कियां गा रही हैं और नाच रही हैं। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

8.निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करें-

(क) बच्चे फूल तोड़ते हैं। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) हम वहाँ नहीं रहेंगे। **(भाववाच्य में)**

(ग) गीता से खाना बनाया जाता है। **(कर्तृवाच्य मे)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) हिन्दी भाषा की लिपि का नाम बताएं।

(ख) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं ?

ग) बालक शब्द तत्सम् है या तद्भव।

10.निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) महात्मा, लव-कुश

(ख) जलधर अथवा रचना के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2019 Series (B) अंक 12

7. निम्नलिखित वाक्यों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) मैंने उसे पढ़ाया और नौकरी दिलवाई। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

(ख) रात होते ही सभी लोग घर चले गए। **(सयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ग) विद्वान का सभी आदर करते हैं। **(भाव वाक्य में बदलिए)**

8. निर्देशानुसार वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करें-

(क) कलाकार मूर्ति गढ़ता है। **(कर्मवाच्य में)**

(ख) मैं इस गर्मी में सो नहीं सकता। **(भाववाच्य में)**

(ग) कविता से खाना बनाया जाता है। **(कर्तृवाच्य)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) भाषा किसे कहते हैं ?

(ख) वह भला आदमी है। **(वाक्य में विशेषण छांटिए)**

(ग) 'आज' शब्द विकारी है या अविकारी।

10.निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए -

(क) प्रतिदिन, नवग्रह

(ख) घट अथवा मूल के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2019 Series (C)

7. निम्नलिखित वाक्यों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(i) बच्चा दौड़कर मेरे पास आ गया।(संयुक्त वाक्य में बदलिए।

(ii) परीक्षा में प्रथम आने वाली लड़की को मैं जानता हूँ। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

(iii) मैंने एक पुस्तक देखी जो सचित्र थी। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

8. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करें -

(क) करीना ने कपड़े धोए। **(कर्म वाच्य में)**

(ख) मैं सोच नहीं सकता। **(भाव वाच्य में)**

(ग) मुझसे इतने कम प्रकाश में पढ़ा नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) 'अक्षर' किसे कहते हैं ?

(ख) सुनील तेज़ दौड़ता है। **(तेज़ विशेषण है या क्रिया विशेषण) ?**

(ग) उद्देश्य किसे कहते हैं?

10. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए-

(क) घुड़सवार, घनश्याम ।

(ख) 'अम्बर' अथवा कृष्ण के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

व्याकरण 2020 Series (A) (अंक 12)

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए :

(क) बच्चा दीवार कूदकर बाहर भाग गया। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ख) उसने पढ़ा और सो गया। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

(ग) पढ़ने वाला प्रथम आएगा। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

8. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए:

(क) मै नहीं चलता। **(भाववाच्य में)**

(ख) सीमा से खेला नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

(ग) नौकर ने आँगन साफ किया। **(कर्मवाच्य में)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए

(क) भाषा किसे कहते हैं ?

(ख) कमला मिठाई खाती है। **(क्रिया भेद)**

(ग) पिताजी कल आएंगे। (अव्यय छाँटिए)

10. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 2×1+1=3

(क) देवालय, महात्मा।

(ख) 'पत्र' अथवा 'कर' के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2020 Series (B)

खण्ड-ग (व्याकरण)

7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए :

(क) वह खाना खाकर चला गया। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ख) सूरज निकला और फूल खिलने लगे। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

(ग) बारिश शूरू हुई और पक्षी नहाने लगे। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

8. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए :

(क) दादी जी नहीं उठती। **(भाववाच्य में)**

(ख) लड़कियों से नहीं खेला जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

(ग) मैं रोटी खाता हूँ। **(कर्मवाच्य में)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

(क) विशेषण किसे कहते हैं ?

(ख) मैं अभी आया। **(अव्यय छाँटिए)**

(ग) सीता हंसती है। **(क्रिया भेद)**

10. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए : 2x1+1=3

(क) लम्बोदर, सुख-दुःख ।

(ख) 'अर्थ' अथवा 'मत' के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए।

2020 Series (C)

खण्ड-ग (व्याकरण)

7. निम्नलिखित वाक्यों का उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : 3×1=3

(क) जल्दी रेल में बैठो और अपने घर चलो। **(सरल वाक्य में)**

(ख) बिल्ली आकर दौड़ गई। **(संयुक्त वाक्य में)**

(ग) डींगे हाँकने वाले कुछ नहीं करते। **(मिश्र वाक्य में)**

8. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन करें :

(क) लड़का नहीं पढ़ता। **(भाववाच्य में)**

(ख) सीमा से खाया नहीं जाता। **(कर्तृवाच्य में)**

(ग) पक्षी आकाश में उड़ते हैं। **(कर्मवाच्य में)**

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : 3×1=3

(क) संज्ञा किसे कहते हैं ?

(ख) आप क्या खाते हो। **(रेखांकित पद संज्ञा है या सर्वनाम)**

(ग) राम इधर-उधर घूम रहा है। **(अव्यय छाँटिए)**

10. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए : 2×1+1=3

(क) हवन सामग्री, लाभ-हानि।

(ख) 'घट' अथवा 'नव' के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए ।

Term-1-Exam-2021 Series (A) अंक 5

(व्याकरण भाग)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) तुम सत्य बोलकर इनाम पाओगे। **(मिश्र वाक्य में बदलें)**

(ख) गंगा नदी वाराणसी तक बहती है। **(वाक्य में से अव्यय शब्द छाँटिये)**

(ग) लालची लोग परेशान रहते हैं। **(रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखें)**

(घ) नौकर के द्वारा आँगन साफ किया गया। **(कर्तृ वाच्य में बदलें)**

(ड.) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखें। (कोई दो करें)

अमीर-गरीब, यथाशक्ति, राम राज्य।

2021 Term 1 अंक (5) Series (B)

(व्याकरण माग)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई। **(रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखें)**

(ख) खिलाड़ी मैदान में खेलता है। **(कर्मवाच्य में बदलें)**

(ग) मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था। **(सरल वाक्य में बदलें)**

(घ) हमें अपनी सभ्यता और संस्कृति पर गर्व है। **(वाक्य में से अव्यय छाँटें)**

(ड) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखें :

जन्म-मरण, बीचोंबीच, तिरंगा

2021 Term 1 अंक (5) Series (C)

(व्याकरण भाग)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) अमित से दौड़ा नहीं जाता। **(कर्तृ वाच्य में बदलें)**

(ख) वह प्रतिदिन कक्षा में उपस्थित रहता है। **(अव्यय पृथक करें)**

(ग) राम को सामान खरीदना था इसलिए बाजार गया। **(रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखें)**

(घ) अध्यापक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहता है। **(मिश्र वाक्य में बदलें)**

(ड) निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं दो का विग्रह करके समास का नाम लिखें।

चौराहा, घुड़सवार, माता-पिता

Term2. 2022 A

(व्यावहारिक व्याकरण)

(क) मैं कल आगरा था। **(अव्यय छाँटिए)**

(ख) 'क्' का उच्चारण स्थान लिखो।

(ग) 'विद्यार्थी' का संधिविच्छेद करें।

(घ) बच्चा दौड़कर मेरे पास आ गया। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ड) मोहन पानी पीता है। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

Term2. 2022 B

(क) नदी के किनारे पेड़ थे। **(अव्यय छाँटिए)**

(ख) 'स्' का उच्चारण स्थान लिखो।

(ग) 'विद्यालय' का संधिविच्छेद करें।

Term2. 2022 C

खण्ड - ग

(क) ज़रा पीछे मुड़कर देखो। **(अव्यय छाँटिए)**

(ख) 'प्' का उच्चारण स्थान लिखो।

(ग) 'रमेश' का संधिविच्छेद करें।

(घ) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

(ङ) पक्षी आकाश में उड़ते हैं। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

Terms 1. 2022 A

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखें

(i) भाषा के कितने रूप हैं ?

(अ) चार (ब) पाँच (स) दो (द) छः

(ii) हिन्दी भाषा की लिपि का नाम है :

(अ) गुरमुखी (ब) देवनागरी (स) रोमन (द) इनमें से कोई नहीं

(iii) तत्सम शब्द का अर्थ है :

(अ) बदला हुआ रूप (ब) पहले जैसा ही, जैसा संस्कृत से हिन्दी में अपनाया

(स) बिगड़ा हुआ रूप (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) विद्या + अर्थी = 'विद्यार्थी' में सन्धि है।

(अ) स्वर सन्धि (ब) व्यंजन सन्धि (स) विसर्ग सन्धि (द) यण सन्धि

(v) जिस पर विश्वास किया जा सके

(अ) दयालु (ब) विश्वसनीय (स) निर्दयी (द) कृपण

Terms 1. 2022 B

(i) वर्णों के कितने भेद हैं ?

(अ) चार (ब) तीन (स) दो (द) पाँच

(ii) जिन शब्दों का पुरुष, लिंग, वचन आदि के कारण रूप बदल जाए, उन्हें कहते हैं :

(अ) तत्सम (स) विकारी (ब) तद्भव

(iii) 'पढ़ाई' शब्द में पढ़+आई। 'आई' है

(अ) उपसर्ग

(स) धातु

(iv) 'त्रिफला' में समास है :

(अ) द्वन्द्व समास

(स) द्विगु समास

(v) रजनी + ईश में सन्धि है :

(अ) व्यंजन सन्धि

(ब) दीर्घ सन्धि

(स) स्वर सन्धि

(द) विसर्ग सन्धि

Terms 1. 2022 C

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखें :

(i) भाषा की तीन परस्पर सापेक्ष इकाइयाँ हैं

(अ) पद

(स) उपवाक्य

(ब) वाक्य

(ii) हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या है :

(द) वर्ण, शब्द और वाक्य

(अ) 44 (ब) 33 (स) 11 (द) 13

Term 2 A 2023

7. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए: 5x1=5

(क) 'कर्मवाच्य' का वाक्य छांटें:

(a) अशोक द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है (b) लड़का पढ़ता है (c) मैंने समुद्र देखा

(ख) रचना के आधार पर वाक्य के भेदः

(a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच।

(ग) क्रिया का प्रकार बताइए: दादी बच्चों को कहानी सुनाती है:

(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया (c) प्रेरणार्थक क्रिया (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) आपका क्या नाम है? इस वाक्य में विराम चिन्ह प्रयोग किया है:

(a) पूर्ण विराम (b) प्रश्न सूचक (c) अर्ध विराम (d) लाघव चिन्ह।

(c) सामने से गाड़ी आ रही है

(d) आज छुट्टी है।

(ङ) बिना अव्यय बाला बाक्य छांट कर लिखिए:

(a) मेरा नाम सुरेश है (b) मैं कल बाजार जाऊंगा

(d) मुझसे हंसा जाता है।

Term 2 B 2023

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए: 5×1=5

(क) 'कर्मवाच्य' का वाक्य छांटें:

(a) राज पुस्तक पढ़ता है (b) सोम दौड़ा (c) सीता के द्वारा भोजन खाया गया (d) मैं बैठ नहीं सकता है।

(ख) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदः

(a) आठ (b) तीन (c) दो (d) पाँच।

(ग) क्रिया का प्रकार बताइएः अतिथि जाग गया है

(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया (c) प्रेरणार्थक क्रिया (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) घायल को देख लो। इस वाक्य में विराम चिन्ह प्रयोग किया है:

(a) पूर्ण विराम (b) अल्प विराम (c) अर्ध विराम (d) लाघव चिन्ह।

(ङ) बिना अव्यय वाला वाक्य छांट कर लिखिए:

(a) मैनें तो उसे देखा भर है (b) रीना सोती है (c) वह कल ही आया है (d) मैं दुकान तक गया था।

Term 2 C. 2023

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए:

(क) 'कर्मवाच्य' का वाक्य छांटें:

(a) बालक पत्र लिखता है (b) मैं रोटी खाता हूँ (c) माँ के द्वारा पुत्र सुला दिया गया (d) बच्चे खेलेंगे।

(ख) वाक्य के अंग होते हैं:

(a) चार (b) तीन (c) दो (d) पाँच।

(ग) क्रिया का प्रकार बताइए:

मोहन सोहन से पत्र लिखवाता है:

(a) अकर्मक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया (c) प्रेरणार्थक क्रिया (d) इनमें से कोई नहीं।

(घ) इतनी लम्बी दीवार ! इस वाक्य में विराम चिन्ह प्रयोग किया है:

(a) पूर्ण विराम (b) अल्प विराम (c) अर्ध विराम (d) विस्मय सूचक।

(ङ) बिना अव्यय वाला वाक्य छांट कर लिखिए:

(a) मोहन आज वहां जाएगा (b) घड़ी धीरे-धीरे चलती है (c) वह कल ही जाएगा (d) वर्षा हो रही है।

Series A 2024

खण्ड-ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(क) वाक्यों को निर्देशानुसार लिखियेः

(च) देश पर मिटने वाला व्यक्ति ही सच्चा देशभक्त होता है? **(मिश्र वाक्य में बदलिये)**

(छ) जो पढ़ेगा, वह प्रथम आयेगा। **(सरल वाक्य में बदलिये)**

(ख) उद्देश्य और विधेय छाँटिये :

(च) मजदूरों ने काम कर लिया है।

(छ) कंचन नवमीं कक्षा में पढ़ रही है।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिये:

(च) बच्चे फूल तोड़ते हैं। **(कर्मवाच्य में बदलिये)**

(छ) हम वहाँ नहीं रहेंगे। **(भाववाच्य में बदलिये)**

(1) 'अन्न-जल' समस्त पद में समास का नाम है:

(ट) द्विगु समास (ठ) अव्ययी भाव समास (ड) द्वंद्व समास (ढ) तत्पुरुष समास।

(2) किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम को कहते हैं:

(ट) सर्वनाम (ठ) विशेषण (ड) क्रिया (ढ) संज्ञा।

(ङ) (1) 'मामा ने मुझे साड़ी दी' में क्रिया है:

(ट) अकर्मक क्रिया (ठ) सकर्मक क्रिया (ड) द्विकर्मक क्रिया (ढ) प्रेरणार्थक क्रिया।

(2) 'जो बहुत बोलता है।' वाक्यांश के लिए एक शब्द है।

(ट) वाचाल (ठ) बड़बोला (ड) अल्पज्ञ (ढ) मितभाषी।

Series B 2024

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजियेः

(क) वाक्यों को निर्देशानुसार लिखियेः

(च) मैंने उस बच्चे को देखा जो स्कूटर चला रहा था। **(सरल वाक्य में बदलिये)**

(छ) तुम बस रूकने के स्थान पर चले जाओ। **(मिश्र वाक्य में बदलिये)**

(ख) उद्देश्य और विधेय छाँटियेः

(च) मैंने साँप देखा जो बड़ा भयंकर था।

(छ) सभी लोगों ने वह सुन्दर दृश्य देखा।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार उत्तर

(च) मैं रोटी खाता हूँ। **(कर्मवाच्य में बदलिये)**

(छ) मुझसे पत्र नहीं लिखा गया। **(कर्तृवाच्य में बदलिये)**

(घ) (1) 'आजीवन' समस्त पद में समास का नाम है:

(ट) अव्ययीभाव समास (ठ) द्वंद्व समास (ड) तत्पुरुष समास (ढ) द्विगु समास ।

(2) 'दोपहर' समस्त पद में समास का नाम है:

(टे) द्विगु समास (ठ) द्वंद्व समास (ड) अव्ययीभाव समास (ढ) तत्पुरुष समास।

(1) 'हम विद्यालय जा रहे हैं।' में क्रिया है:

(ट) अकर्मक क्रिया (ठ) सकर्मक क्रिया (ड) प्रेरणार्थक क्रिया। (ढ) द्विकर्मक क्रिया।

(2) 'जो पढ़ा-लिखा न हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है।

(ट) अनपढ़ (ठ) साक्षर (ड) पढ़ा-लिखा (ढ) साक्षरता।

2024 series. C

खण्ड-ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजियेः

(क) वाक्यों को निर्देशानुसार लिखियेः

(च) वह झूठा होने के अतिरिक्त चोर है। **(संयुक्त वाक्य में बदलिये)**

(छ) अमीरों की सभी सुनते हैं। **(मिश्र वाक्य में बदलिये)**

(ख) उद्देश्य और विधेय छाँटियेः

(च) रमा खाना बनाती है।।

(छ) चुनाव में कौन जीता?

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिये:

(च) राजा द्वारा प्रजा को कष्ट दिये गये। **(कर्तृवाच्य में बदलिये)**

(छ) मैं उठ नहीं सकता। **(भाववाच्य में बदलिये)**

(घ) (1) 'धर्मवीर' समस्त पद में समास का नाम है:

(ट) तत्पुरुष समास (ठ) द्विगु समास (ड) अव्ययीभाव समास (ढ) द्वंद्व समास।

(2) व्याकरण के अंग है:

(ट) चार (ठ) दो (ड) तीन (ढ) दस।

(1) 'मीनाक्षी ने पाठ पढ़वाया' में क्रिया है:

(ट) प्रेरणार्थक क्रिया (ठ) अकर्मक क्रिया (ड) सकर्मक क्रिया (ढ) द्विकर्मक क्रिया।

(2) 'सप्ताह में एक बार होने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है।

(ट) साप्ताहिक (ठ) दैनिक (ड) सप्ताहिक (ढ) मासिक।

पाठ 1(नेता जी का चश्मा)

1.सेनानी ना होते हुए लोग चश्मे वालों कैप्टन क्यों कहते थे? **(2017,2018,19,20,21,23,24)**

2. नेता जी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है? **(2018)**

3. पान वाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए। (2016,2017,2018)

अथवा

नेताजी का चश्मा पाठ के आधार पर पान वाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए। **(2018,21)**

4. वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में ।पागल है पागल !
   कैप्टन के प्रति पान वाले की टिप्पणी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? **(2016,2020,2021)**
5. जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात देखा नहीं था तब तक उनके पास मानस पटल पर उसका कौन सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए। **(2021)**
6. नेताजी का चश्मा हर बार कैसे बदल जाता था? **(2016,2021,2022)**
7. नेता जी की मूर्ति को देखकर क्या याद आने लगता था? **(2012,2013)**
8. हालदार साहब चश्मे वाले की देशभक्ति के प्रति नतमस्तक क्यों थे? **(2017,2017,2018)**

पाठ 2 बालगोबिन भगत

1. खेती-बाड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपने किन विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे? **(2016,2019,2020)**
2. भगत के पुत्रवधू ने अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? **(2016,2018,2020,2021,2023,2024)**
3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएं किस तरह व्यक्त की ? **(2017,2020,2021)**
4. भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा को अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए । **(2017,2021)**
5. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ? **(2016,2021)**
6. पाठ के आधार पर भगत के मधुर गायन की विशेषताएं लिखिए। **(2017,2018,2020)**
7. धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरिया किस तरह चमत्कृत कर देती थी? उस माहौल का शब्द चित्र प्रस्तुत करें। **(2020)**
8. आपकी दृष्टि से भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे? **(2016,2018)**

पाठ 3 लखनवी अंदाज(2,4अंक)

1. लेखक ने नवाब की असुविधा और संकोच के लिए क्या अनुमान लगाया? **(2016,2018,2020)**
2. बिना विचार घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है? यशपाल के इस विचार से आप कहां तक सहमत है? **(2017,2018 ,2021)**
3. लेखक को नवाब साहब के किन हाव भाव से महसूस हुआ कि वह उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है? **(2016,2021)**
4. आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगे? **(2017,2019)**
5. लेखक को खीरे खाने से इंकार करने का अफसोस क्यों हो रहा था? **(2017,2018,2021,2023)**
6. नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है? इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में प्रयुक्त करें। **(2021,2024)**

पाठ 4 एक कहानी यह भी(2,4 अंक)

1. लेखिका कीअपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए। **(2017,2017,2018)**
2. क्या लेखिका की मां लेखिका का आदर्श बन पाई थी? **(2017,2018)**
3. इस आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आंदोलन के परिदृश्य का चित्रण करते हुए उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिए। **(2020)**
4. इस आत्म कथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियार खाना कहकर क्यों संबोधित किया है? **(2020)**
5. लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का और किस रूप में प्रभाव पड़ा? **(2016,2017,2018,2020)**
6 वह कौन सी घटना थी जिसको सुनने पर लेखिका को न अपने आंखों पर विश्वास हो पाया न अपने कानों पर? **(2016,2018)**

पाठ 6 संस्कृति (2,4)

1. वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है ? 2016,2017
2. किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई धागे का आविष्कार हुआ होगा? **(2016,2017,2020,2023)**
3. लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई हैं? **(2023)**
4. आग की एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है?इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्त्रोत क्या रहे होंगे? **(2016,2018)**

पाठ 5 नौबत खाने में इबादत

1. शहनाई की दुनिया में डुमरांव को क्यों याद किया जाता है? **(2016,2020,2022)**
2. काशी में हो रहे कौन से परिवर्तन बिस्मिल्ला खां को व्यथित करते थे? **(2016,2017,2018,2022)**
3. बिस्मिल्ला खाके व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया? **(2022)**

4. सुषिर वाद्य से क्या तात्पर्य है? शहनाई को सुषिर वाद्य में शाह की उपाधि क्यों दी गई होगी? **(2016,2019,2022)**
5. बिस्मिल्ला खां कला के अनन्य उपासक थे, तर्क सहित उत्तर दीजिए। **(2022)**
6. बिस्मिल्ला खां को शहनाई की मंगल बने का नायक क्यों कहा जाता है? **(2017,2018,2019,2020,2022)**
7. मुहर्रम से बिस्मिल्ला ख़ां के जुड़ाव को आपको अपने शब्दों में लिखिए। **(2022)**
8. बिस्मिल्ला खां के जीवन से जुड़ी उन घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करें जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया? **(2022)**
9. बिस्मिल्ला खां का जन्म कहां हुआ ?उनका खानदानी पैसा क्या था? **(2017,2018,2023)**

किताब (कृतिका) महत्वपूर्ण प्रश्न(2,4 अंक)

पाठ 1 माता का आंचल

1. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है? **(2016,2016,2018,2020,2021)**
2. पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हो। **(2020,2022)**
3. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चा का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास ना जाकर मां की शरण लेता है ।आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है? **(2018)**
3. भोला नाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है? **(2018,2020,2021)**
4. माता का आंचल उपन्यास अंश में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है ।आज के ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह परिवर्तन दिखाई देते हैं? **(2020)**
5. माता का आंचल शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए। **(2018,2020,2021)**
6. यहां माता-पिता का बच्चों के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ उसे अपने शब्दों में लिखिए। **(2017,2019,2021)**
7. बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं। **(2017,2018,2019,2020)**
8. तारकेश्वर नाथ का नाम भोलानाथ कैसे पड़ा? **(2017,2019,2021)**
9. माता के आंचल पाठ के लेखक का नाम लिखें। **(2021)**
10. भोलानाथ का असल नाम क्या था? **(2021)**
11. भोलानाथ और उसके साथी जब खेलते उस समय तुकबंदी करते थे ।यदि आपको अपने खेलों आदि से जुड़े तुक बंदी याद हो तो लिखिए। **(2022)**

पाठ 2 साना साना हाथ जोड़ी (2,4)

1.लौंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक सी क्यों दिखाई दी? **(2017,2018,2020,2022,2023)**
2. कभी रंगीन तो कभी श्वेत पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है? **(2016,2020,2022)**
3. झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? **(2016,2018,2019,2020,2022,2023)**
4. गंतोक मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया? **(2016,2017,2019,2020,2022,2024)**
5. जितेन न।र्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं? **(2022,2023)**
6. जितेन ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहां की भौगोलिक स्थिति एवं जन जीवन के बारे में क्या महत्वपूर्ण जानकारियां दीं ,लिखिए। **(2022,2023)**
7. इस यात्रा वृतांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है ,उन्हें अपने शब्दों में लिखिए। **(2022)**
8. प्रकृति के उस अनंत और विराट स्वरूप को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है? **(2018,2022)**
9. सैलानियों को प्रकृति के अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है?**(2019,2022)**
10. प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को कौन-कौन से दृश्य झकझोर गए? **(2018,22)**
11. प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कमी का जिक्र किया गया है ।प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं? **(2020)**
12. इतना कम लेकर यह समाज को कितना अधिक लौटा देती है । इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है? **(2022)**
13.कटाओ पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए। **(2022)**
14. प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है? **(2017,2018,2019,2022,2023)**

15. देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं ? हमारा उनके प्रति क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? **(2016,2019,2022,2023)**

16. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है ?इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए? **(2016,2022,2023)**

पाठ 3 मैं क्यों लिखता हूं (2,4)

1. लेखक ने हिरोशिमा कविता कहां लिखी ? यह कब प्रकाशित हुई तथा यह उनके किस काव्य संग्रह में संकलित है? **(2017,2018)**
2. एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है? **(2017,2018,2019,2020)**
3. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है ।आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहां-कहां और किस तरह हो रहा है? **(2018,2020)**
4. लेखक को कौन सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं? **(2017,2018,2020)**
5. लेखक ने अपने आप को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?**(2016,2017,2018,2019,2020)**
6. हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंदर वह बाह्य दोनों दबाव का परिणाम है।आप यह कैसे कह सकते हैं? **(2019,2020,2023)**
7. लेखक के अनुसार के प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों? **(2020,2023)**
8. क्या बाह्य दबाव केवल लेखन से जुड़े रचनाकारों को ही प्रभावित करते हैं या अन्य क्षेत्रों जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं, कैसे? **(2019)**

किताब (क्षितिज) (2,4)

कविता 1 (सूरदास के पद)

1. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है? **(2016,2017,2018,2021)**
2. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए? **(2018,,2020,2021)**
3. उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की बिरहअग्नि में घी का काम कैसे किया? **(2021)**
4. गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है? **(2021,2022)**
5. गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को लाने दिए थे? **(2021,2023)**
6. गोपियों ने हारिल की लकड़ी किसे कहा और क्यों? **(2022)**
7. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ? **(2020,2021,2022)**
8. श्री कृष्ण को गोपियों ने अपने जीवन में किस प्रकार धारण कर रखा है? **(2022)**
9. मरजादा न लही के माध्यम से कौन सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है ? **(2021)**
10 कृष्ण के प्रति अपने अन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है? **(2017, 2018)**
11.गोपियों को कृष्णा में ऐसे कौन से परिवर्तन दिखाई दिए जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं? **(2019)**
12.कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है? **(2021)**
13. गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?(2016,2018,2019,2021)

कविता 2राम लक्ष्मण परशुराम संवाद (2,4अंक)

1. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएं बताई ? **(2016,2017,2018,2020,2021,2022,2023)**
2. परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएं हुई उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएं अपने शब्दों में लिखिए। **(2016,2021)**
3. परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? **(2018,2020,2021,2022)**
4. साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखें। **(2021)**
5. लक्ष्मण की किस बात को सुनकर परशुराम को क्रोध आया तथा लक्ष्मण ने शिव धनुष को क्या कहा था ? **(2022)**

कविता 3 आत्मकथ्य(2,4अंक)

1. उज्जवल गाथा कैसे गाउ मधुर चांदनी रातों की-- कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? **(2018,2022)**
2. स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का क्या आशय है? **(2020,2022)**
3. कवि आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में अभी समय भी नहीं ऐसा क्यों कहता है? **(2016,2018,2019,2020)**
4. कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है? **(2016,2018,2020)**

कविता 4 उत्साह, अट नहीं रही है (2,4)

1. फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है? **(2016,2018,2019,2020, 2022)**
2. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है? **(2018)**
3. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है? **(2016,2020)**
4. कवि बादल से फुहार रिमझिम या बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहता है, क्यों? **(2017,2019)**
5. कवि की आंख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं है रही? **(2017,2023)**

कविता 5 यह दंतुरित मुस्कान,फसल(2,4)

1 मुस्कान और भिन्न-भिन्न भाव है। वर्णन कीजिए। **(2021)**
2 दंतुरित मुस्कान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर दीजिए। **(2018,2020,2023)**
3 बच्चों की मुस्कान और बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अंतर है? **(2016,2017,2019,2020,2021,2023)**
4 बच्चों की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? **(2016,2020,2021,2023)**
5 कवि ने बच्चों की मुस्कान के सौंदर्य को किन-किन बिंबों के माध्यम से व्यक्त किया है? **(2017,2018,2023)**
6 कवि के अनुसार फसल क्या है? **(2016,2018,2020,2022)**
7 कवि फसल को हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा कहकर क्या व्यक्त करना चाहता है? **(2017,2019,2022)**
8 कविता में फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही है। वे आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?**(2019,2022)**

कविता 6 संगतकार(2,4 अंक)

1 संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक गायिकाओं की मदद करते हैं? **(2020,2022)**
2 संगतकर जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं? **(2020,2022,2023)**
3 संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है? **(2018,2019,2020,2022,2023)**
4 सफलता के चरम शिखर पर पहुंचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाता है तब उसे सहयोगी किस तरह संभालते हैं? **(2019,2020,2022)**
5 कभी-कभी तारसप्तक की ऊंचाई पर पहुंचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नजर आता है उसे समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **(2022)**